दैनिक नर्मदा न्यूज

TO THE POINT

RNI.No.MPHIN/25/A3054

www.narmadanewsttp.com

सुविचार

कौरवों.. के साथ तो स्वयं भगवान श्री कृष्ण की नारायणी सेना थी फिर भी विजय उनकी हुई जिनके साथ नारायण थे। इसलिए बड़ी सेना होने से युद्ध जीत जाएं यह आवश्यक नही है। नारायण के सानिध्य में यदि धर्मयुद्ध लड़ा जाए तो विजय निश्चित है। जय हो

पेज-7

● वर्ष-1, ● अंक- 152 भोपाल से प्रकाशित ● भोपाल, शुक्रवार 21 नवंबर, 2025 ● मूल्य 2 रुपए ● पृष्ठ 8

डिजिटल डिग्री वेरीफिकेशन विद्यार्थी हित की सार्थक पहल : राज्यपाल

● बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में डिजिटल डिग्री वेरीफिकेशन पोर्टल का शुभारंभ

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि डिजिटल डिग्री वेरीफिकेशन पोर्टल उच्च शिक्षा की बेहतरी की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। पोर्टल, विद्यार्थी हित की सार्थक पहल है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक गतिविधियों में तकनीकी नवाचार से विद्यार्थियों को वेरीफिकेशन की जटिल प्रक्रिया से राहत मिलेगी। रोज़गार और प्लेसमेंट आदि जरूरी प्रक्रियाएं सुरक्षित रूप में सरलता और शीघ्रता से हो सकेगी। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे

विशेष नवाचार सराहनीय है। उन्होंने पोर्टल के माध्यम से डिग्री वेरिफिकेशन प्रक्रिया को समझा। स्वयं रेंडम परीक्षण किया। पोर्टल को सफलतापूर्वक लोकार्पित करने के लिए समस्त विश्वविद्यालय प्रबंधन को बधाई दी। राज्यपाल श्री पटेल ने गुरुवार को बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल के डिजिटल डिग्री वेरीफिकेशन पोर्टल का वन क्लिक से शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आयोजन राजभवन में किया गया था। राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, विश्वविद्यालय के कुलगुरु सुरेश कुमार जैन, अपर सचिव उमाशंकर भार्गव, कुल सचिव अनिल शर्मा और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भारत में जन्मी मादा चीता मुखी बनी मां

कूनो जंगल में पांच शावकों को दिया जन्म, बना नया इतिहास

भोपाल। कूनो नेशनल पार्क से बड़ी खुशखबरी आई है। साथ ही देश में एक नया इतिहास बन गया है। विलुप्त होने के बाद पहली बार भारत में जन्मी चीता मुखी मां बनी है। यह चीता प्रोजेक्ट की बड़ी सफलता है कि भारत में जन्म लेने वाली मादा चीता अब मां बनने लगी हैं। इससे उनकी आबादी बढ़ेगी। मादा चीता मुखी ने कूनो नेशनल पार्क में पांच शावकों को जन्म दिया है। कूनो प्रबंधन ने शावकों के साथ मुखी का वीडियो शेयर किया है। मुखी अपने शावकों को स्तनपान करवा रही है। जानकार भारत में इसे चीता प्रोजेक्ट की बड़ी कामयाबी मान रहे हैं। सीएम मोहन यादव ने एक्स पर लिखा है कि भारत में जन्मी चीता मुखी ने मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में पांच बच्चों को जन्म

देकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। मां और बच्चे ठीक हैं। यह भारत के चीता रीइंट्रोडक्शन इनिशिएटिव के लिए एक बहुत बड़ी कामयाबी है। मुखी, 33 महीने की उम्र में भारत में जन्मी पहली मादा चीता, अब बच्चे पैदा करने वाली भारत में जन्मी पहली चीता बन गई है, जो प्रोजेक्ट चीता के लिए एक बड़ी कामयाबी है। उन्होंने कहा कि भारत में जन्मे चीते का सफल प्रजनन, भारतीय जगहों पर इस प्रजाति के एडैप्टेशन, हेल्थ और लंबे समय की संभावनाओं का एक मजबूत संकेत है। यह बड़ा कदम भारत में आत्मनिर्भर और जेनेटिकली अलग-अलग तरह के चीतों की आबादी बनाने की उम्मीद को मजबूत करता है।

शराब पीकर हेलमेट पहना तो स्टार्ट नहीं होगी गाड़ी

कर्नाटक की बाल वैज्ञानिक ने मॉडल को भोपाल में लागू करने का प्रस्ताव रखा; वायरलेस चार्जिंग सड़क भी

भोपाल। भोपाल के श्यामला हिल्स में लगी 52वीं राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में 240 विज्ञान के मॉडल प्रदर्शित किए जा रहे है। कर्नाटक की कक्षा 10वीं की विद्यार्थी विद्या एच एस ने सड़क दुर्घटना को कम करने के लिए स्मार्ट हेलमेट बनाया है। यह राइडर की सांसों से शराब को डिटेक्ट कर इंजन को लॉक कर देता है। वह इसे सभी के लिए अनिवार्य करने की बात कह रही हैं।

6 दिन तक चलने वाली प्रदर्शनी में शिक्षकों द्वारा गाइड किए गए 14-18 वर्ष के बच्चे अपने मॉडल और प्रोजेक्ट प्रदर्शित कर रहे हैं। यहां आत्महत्या रोकनेवाला पंखा, चलती गाड़ी चार्ज करने वाली सड़क और सेना के लिए माइक्रो ड्रोन जैसे मॉडल बच्चों ने बनाकर प्रदर्शित किए है।

इंजन लॉक करने वाला स्मार्ट हेलमेट-विद्या एच एस का स्मार्ट हेलमेट बाइक से कनेक्ट होता है और इसे न पहनने पर बाइक का इंजन लॉक रहता है। इसमें लगे हुए ऐल्कोहॉल सेंसर से राइडर का ऐल्कोहॉल डिटेक्शन किया जा सकता है। ऐल्कोहॉल पाए जाने पर यह गाड़ी चालू नही होती। अगर ड्राइवर को गाड़ी चलाते हुए झपकी आ जाए या नींद लग जाए तो ये ड्राइवर को सिग्नल देता है, साथ ही इंजन ऑफ कर देता है। विद्या बताती है कि इन सेंसर्स को 4-व्हीलर में भी लगाया जा सकता है। एक्सीडेंट होने पर यह हेलमेट इमरजेंसी नंबर्स पर मैसेज भेजने की क्षमता रखता है।

आत्महत्या रोकने वाला पंखा

केंद्रपाड़ा, ओडिशा से आए कक्षा 10वी के विधार्थी प्राणतोष प्रधान ने एंटी सुसाइड प्रूफ अलार्म फैन बनाया है। जब कोई व्यक्ति पंखे से लटककर आत्महत्या करने की कोशिश करता है तो इस पंखे में लगा सेंसर ज्यादा वजन डिटेक्ट करता है, इससे पंखे की रोड खुल जाती है, पंखा नीचे आ जाता है और व्यक्ति की जान बच जाती है। यह स्मार्ट दरवाजे से भी कनेक्ट होता है, जो आत्महत्या करने पर अपने आप खुल जाता है। जरूरत पड़ने यह इमरजेन्सी नंबर पर मैसेज भेज सकता है और सायरन भी बजाता है। मिसरोद के के.एम कॉन्वेंट स्कूल की हर्षिता सुजाने ने वायरलैस स्मार्ट रोड चार्जिंग सिस्टम का मॉडल तैयार किया है। इसमें गाड़ियां बिना रुके सड़क पर चलते हुए चार्ज हो सकती हैं। हर्षिता ने इसके लिए आर.एक्स और टी.एक्स कोइल का उपयोग किया है। हर्षिता बताती है कि इसके लिए गाड़ियों में फास्टैग जैसी आई डी और मूवेबल चार्जिंग कैपेबिलिटी वाली बैटरी लगानी पड़ेगी। सड़क के एंट्री प्वाइंट में गाड़ियों में लगी हुई फास्टैग जैसे आई डी स्कैन होगी और बैटरी लेवल का पता चलेगा। सड़क के एक्जिट प्वाइंट में ऑटोमैटिक गाड़ी कितनी चार्ज हुई है इसका पता लगेगा।

अब हेलीकॉटर से पहुंचे कान्हा बांधवगढ़ व एसटीआर रिजर्व

● एमपी में पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा की हो गई शुरुआत

पहले दिन ट्रायल, आज से आम व्यक्ति के लिए उड़ेंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश में पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा की शुरुआत गुरुवार से हो गई है। टूरिस्ट 3 टाइगर रिजर्व- कान्हा, बांधवगढ़-एसटीआर (सतपुड़ा टाइगर रिजर्व) के साथ ईको टूरिज्म सेक्टर और स्पिरिचुअल सेक्टर में हेलीकॉप्टर से जा सकेंगे। सप्ताह में 5 दिन तक उड़ान रहेंगी। बुधवार और गुरुवार को उड़ान नहीं है। इसलिए आज ट्रायल हुआ है। इस दिन मंत्री, सांसद, विधायक समेत अन्य जनप्रतिनिधि हेलीकॉप्टर में बैठे, जबकि कल, शुक्रवार से हेलीकॉप्टर आम लोगों के उड़ेंगे। 1 नवंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सेवा की औपचारिक शुरुआत कर दी थी, लेकिन नियमित उड़ानें 20 नवंबर से शुरू होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऐलान किया था।

जबलपुर में मंत्री ने किया सफर

एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए मध्य प्रदेश में पीएमश्री पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा शुरू हो गई है। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भेड़ाघाट से लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने सुबह 11.20 बजे इस सेवा का शुभारंभ किया। अब जबलपुर से कान्हा, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, धार्मिक स्थल मैहर, चित्रकूट और अमरकंटक पहुंचना आसार होगा। यह सेवा सप्ताह में पांच दिन रहेगी। केंद्रीय विमानन मंत्रालय और मप्र पर्यटन बोर्ड की देखरेख में फ्लाई ओला कंपनी इसका संचालन करेगी। जबलपुर से सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार को पर्यटक उड़ान भर सकेंगे।

● **टूरिस्ट हब है महाकौशल**- इस मौके पर मंत्री सिंह ने कहा कि महाकौशल टूरिस्ट हब है। जहां पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। हवाई सेवा के माध्यम से यहां आने वाले पर्यटकों को बड़ी सुविधा मिल गई है। बहुत ऐसे पर्यटक आते हैं, जो कम समय में ज्यादा से ज्यादा स्थानों पर घूमना चाहते हैं, लेकिन सड़क मार्ग से यह मुमकिन न था। पीएमश्री हेलीकॉप्टर सेवा ने इस समस्या को खत्म कर दिया है। इससे जहां कम समय में ज्यादा से ज्यादा स्थानों तक पहुंचना आसान हो गया है, वहीं रोजगार भी बढ़ेगा। कंपनी के अधिकारी ने बताया कि भेड़ाघाट के पास हेलीकॉप्टर का बेस बनाया है। जहां से पर्यटकों को उनके पसंद के पर्यटन स्थल ले जाया जाएगा। इस सेवा के लिए अलग-अलग दूरी के हिसाब से किराया तय किया गया है। जबलपुर से सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार को पर्यटक उड़ान भर सकेंगे। सभी पर्यटन स्थलों में कंपनी ने हेलीकॉप्टर की सफल लैडिंग के लिए बेस बनाया है। पर्यटकों को बड़ी सुविधा मिलेगी।

महिलाएं आगे बढ़ेंगी तो समाज का विकास होगा

● राष्ट्रपति मुर्मू बोलीं-महिलाएं समाज की धरोहर हैं

कहा-बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों का जीना खराब कर दिया था

सरगुजा (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में कहा कि महिलाएं समाज की धरोहर हैं। महिलाएं आगे बढ़ेंगी तो समाज का विकास होगा। साथ ही कहा कि बिरसा मुंडा भगवान ने अंग्रेजों का जीना खराब कर दिया था। अंग्रेजों को सिर्फ बिरसा मुंडा ही दिखते थे। कार्यक्रम में मुर्मू ने कहा कि हम बिरसा मुंडा की पीढ़ी हैं। आदिवासी संस्कृति को मैं पहले भी जीती थी और अब भी जीती हूं। जल, जंगल और जमीन के साथ आदिवासी संस्कृति को बढ़ावा देने की जरूरत है। हमें आदिवासी संस्कृति को बचाना है। राष्ट्रपति मुर्मू ने आदिवासी युवाओं को सम्मानित किया। साथ ही वैद्यों और देवस्थलों से जुड़ी योजना मुख्यमंत्री वैद्यराज सम्मान योजना और मुख्यमंत्री ग्राम अखरा विकास योजना का शुभारंभ किया। इसके साथ ही राष्ट्रपति ने 70 साल पहले डॉ. राजेंद्र प्रसाद के गोद लिए गए बच्चों से भी मिलीं। वहीं सरगुजा में पंडो जनजाति के लोगों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यक्रम में जाने से

प्रशासन ने रोक दिया। इससे पंडो जनजाति के लोगों में आक्रोश देखने को मिला।लखनपुर विकासखंड के ग्राम परसोडी कला के पंडो जनजाति के लोग थे, जिन्हें सिंगी टाना टोल प्लाजा के पास रोका गया था। कार्यक्रम में सीएम साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आदिवासियों के घरों तक बिजली पहुंची, बस्तर में नक्सलवाद की कमर टूट गई है। आदिवासियों का विकास हो रहा है। बस्तर के लोगों को राशन मिल रहा है। वहीं राज्यपाल रामेन डेका ने कहा कि बिरसा मुंडा महान वीर थे, जिन्हें आज याद किया जा रहा है।

रिपोर्ट-ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान ने भारत को हराया

● पहलगाम अटैक को भी आतंकी हमला नहीं माना

कांग्रेस बोली-भारतीय डिप्लोमेसी को बड़ा झटका

वॉशिंगटन (एजेंसी)। एक अमेरिकी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच 4 दिन की लड़ाई (ऑपरेशन सिंदूर) में पाकिस्तान को बड़ी सैन्य कामयाबी मिली थी। इस रिपोर्ट में पहलगाम अटैक को भी आतंकी हमला न मानकर विद्रोही हमला माना गया है। 800 पन्नों की इस रिपोर्ट को यू.एस-चाइना इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमीशन ने जारी किया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इस रिपोर्ट का विरोध जताते हुए इस पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि क्या प्रधानमंत्री और विदेश मंत्रालय इस पर अपनी आपत्ति दर्ज कराएंगे और विरोध जताएंगे। हमारी कूटनीति को एक और बड़ा झटका लगा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने दावा किया है कि

उसने कम से कम 6 भारतीय लड़ाकू विमानों को गिराया, जिनमें राफेल जेट भी शामिल हैं। इससे राफेल की इमेज को नुकसान पहुंचा। रिपोर्ट कहती है कि वास्तविक रूप से सिर्फ तीन भारतीय विमानों के गिराए जाने की पुष्टि होती है। चीन ने भारत-पाकिस्तान युद्ध का इस्तेमाल अपने आधुनिक हथियारों को टेस्ट करने के लिए किया।

नीतिश कुमार 10वीं बार बने बिहार के मुख्यमंत्री

● 26 मंत्रियों ने भी शपथ ली, इनमें भाजपा के 14 ● जदयू के 8, चिराग के 2 मंत्री, एक मुस्लिम चेहरा

पटना (एजेंसी)। नीतिश कुमार ने 10वीं बार बिहार में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। गांधी मैदान में हुए भव्य समारोह में पीएम मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई बड़े भाजपा नेता मौजूद रहे। डिप्टी सीएम के रूप में सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने शपथ ली। वहीं 26 मंत्रियों ने भी शपथ ली। जिनमें 14 बीजेपी कोटे से, 8 जदयू से, लोजपा (आर) से 2 हम और कुशवाहा की पार्टी से 1-1 को मंत्री बनाया गया है। इस मंत्रिमंडल में एक मुस्लिम चेहरा शामिल है। जदयू ने जमा खान को फिर मंत्री बनाया है। शपथ के बाद पीएम मोदी ने मंच से गमछा हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। हरियाणा, असम,

गुजरात, मेघालय, यूपी, नगालैंड, ओडिशा, दिल्ली, एमपी और राजस्थान के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए हैं। मंच पर चिराग पासवान ने मांझी और जेपी नड्डा के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। नीतिश कैबिनेट में इस बार नए चेहरों को मौका दिया गया है। रामकृपाल यादव, श्रेयसी सिंह को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। चिराग की पार्टी से 2 विधायकों को मंत्री बनाया गया है। इसमें संजय सिंह भी शामिल हैं। संजय सिंह महुआ से चुनाव जीते हैं। उन्होंने लालू यादव के बेटे तेजप्रताप को मात दी थी।

खनन सुधार में जम्मू-नागालैंड से आगे उत्तराखंड

दो महीनों में केंद्र ने दिए 200 करोड़,विशेष सहायता योजना के तहत मिले

उत्तराखंड (एजेंसी)। उत्तराखंड खनन सुधारों के मामले में नागालैंड और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों को पछाड़कर आगे निकल चुका है। केंद्र सरकार ने ताजा मूल्यांकन में राज्य को इन दोनों सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला राज्य घोषित किया है। खनन क्षेत्र में लगातार सुधार, पारदर्शिता और बेहतर नीतियों ने उत्तराखंड को यह सफलता दिलाई है। केंद्र के खान मंत्रालय ने वर्ष 2025-26 की विशेष सहायता योजना के तहत राज्य को 100 करोड़ रुपए की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि जारी की है। इससे पहले भी अक्टूबर 2025 में रैंकिंग में दूसरा स्थान मिलने पर उत्तराखंड को 100 करोड़ रुपए मिले थे। यानी खनन सुधारों में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर राज्य को अब तक कुल

200 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि मिल चुकी है। राज्य ने माइनिंग डिजिटल ट्रासफॉर्मेशन एंड सर्विलांस सिस्टम लागू किया, जिससे खनन और वाहनों की डिजिटल निगरानी संभव हुई। जीपी आधारित ट्रैकिंग, ई-ट्रांजिट पास और रियल-टाइम मॉनिटरिंग से अवैध खनन गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हुआ। खनन ब्लॉकों का जियो-टेक्निकल और फिजिकल सर्वे कराया गया, ताकि संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान की जा सके।

अवैध खनन और परिवहन रोकने के लिए सतत अभियान चलाए गए। संवेदनशील क्षेत्रों और नदी किनारों में निगरानी बढ़ाई गई और अवैध सामग्री ले जाने वाले वाहनों पर कार्रवाई हुई। ई-चालन और ई-परमिट सिस्टम के माध्यम से फर्जी परमिट और ओवरलोडिंग घटने लगी। इन कदमों से अवैध खनन गतिविधियों में भारी कमी आई।

अमेरिका भारत को देगा 100 टैंक किलर मिसाइल

● टारगेट की गर्मी पहचानकर हमला करती है, कुल 775 करोड़ की डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका भारत को 100 जेवलिन मिसाइल सिस्टम और 216 एक्स कैलिबर प्रोजेक्टाइल स्मार्ट तोपगोला बेचेगा। इनके लिए दोनों देशों के बीच में 92.8 मिलियन डॉलर (करीब 775 करोड़ रुपए) की डील हुई है। अमेरिकी रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी ने बुधवार को बताया कि इस बिक्री के लिए जरूरी मंजूरी और डिटेल्स अमेरिकी संसद कांग्रेस को भेज दी गई है। एजेंसी ने कहा- हथियार भारत को मौजूदा और भविष्य के खतरों से निपटने में मदद करेंगे। 148 जेवलिन एक पोर्टेबल एंटी-टैंक मिसाइल है। इसे टैंकों, बख्तरबंद वाहनों, बंकरों को नष्ट करने के लिए बनाया गया है।

● **हथियारों से भारत की रक्षा क्षमता मजबूत होगी**- डील को मंजूरी देते हुए एजेंसी ने कहा कि यह बिक्री भारत जैसे महत्वपूर्ण रक्षा साझेदार की सुरक्षा को और मजबूत करेगी। इससे भारत की वर्तमान और भविष्य की खतरों से निपटने की क्षमता बढ़ेगी। साथ ही बताया कि हथियार भारत की होमलैंड सिक्योरिटी को मजबूत करेगी और क्षेत्रीय खतरों को रोकने में मदद करेगी। भारत के लिए इन उपकरणों को अपनी सेना में शामिल करना आसान होगा। इससे दक्षिण एशिया और इंडो-पैसिफिक एरिया में सैन्य संतुलन नहीं बदलेगा।

इटारसी में स्मार्ट फिश पार्लर का संचालन नगर पालिका शुरू करवाए कमिश्नर ने संभागीय समय सीमा की बैठक में दिए निर्देश

कृषि विभाग सप्ताह में 1 दिन जैविक हाट लगाए : कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने संभागीय समय सीमा की बैठक में उपसंचालक कृषि श्री जे आर हेडाऊ को निर्देश दिए कि वह सप्ताह में 1 दिन जिले में किसी भी स्थान पर जैविक हाट बाजार लगाना सुनिश्चित करें। जैविक हाट बाजार में जैविक सामग्री,जैविक खाद एवं औषधि की मार्केटिंग की जाए। कमिश्नर ने संयुक्त संचालक नगरी प्रशासन को निर्देश दिए कि वह इटारसी में बनाए गए स्मार्ट फिश पार्लर में सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए उसका संचालन शुरू करवाए। कमिश्नर श्री तिवारी ने जिले में पुनः कई जगह नरवाई जलाने की घटना पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सभी किसानों को समझाइश दी जाए कि वह नरवाई ना जलाएं। उन्होंने एक बगिया मां के नाम के तहत दिए गए लक्ष्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए और कहां की अगले सप्ताह उन्हें लक्ष्य पूर्ति के संबंध में जानकारी से अवगत कराया जाए। उन्होंने पशु चिकित्सा विभाग की कामधेनु योजना में अदयतन प्रगति लाने के निर्देश दिए साथ ही कहां की गौशालाएं बढ़ाने की दिशा में भी संबंधित विभाग आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने प्रधानमंत्री मत्स्य योजना के तहत केस कल्चर के तहत बजट आवंटन की मांग करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी जिलों में केस कल्चर का लक्ष्य प्राप्त हुआ है अतः बजट शासन से प्राथमिकता से मांग कर लक्ष्य की पूर्ति की जाए। कमिश्नर ने सभी कलेक्टर्स को जिला चिकित्सालय का आकस्मिक निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए साथ ही उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग को निर्देश दिए कि वह जिला पोषण विकास समिति की बैठक नियमित रूप से आयोजित करें। उन्होंने संयुक्त संचालक स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि वह आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए अभियान प्रारंभ कराए और दिए गए लक्ष्य के अनुसार सत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाना सुनिश्चित करें। 70 वर्ष से अधिक एवं सामान्य वाला कार्ड भी दिए गए लक्ष्य के अनुरूप शत् प्रतिशत बनाया जाए। कमिश्नर ने गत दिसंबर माह में हुए इन्वेस्टर कॉन्क्लेव में लिए गए निर्णय एवं वादे को पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने विश्वकर्मा योजना अंतर्गत हितग्राहियों को ऋण वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए साथ ही कहां की विश्वकर्मा योजना के तहत ऋण वितरण की मॉनीटरिंग भी सजग रूप से की जाए। कमिश्नर ने जिला स्तरीय कौशल विकास समिति की बैठक भी नियमित रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आईटीआई अधिकारी उक्त बैठक आयोजित करेंवह कार्य समय पर पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने डीएलसीसी की बैठक में लखपति दीदी एवं केसीसी के प्रकरण रखने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारी अपने विभाग के कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन जनप्रतिनिधियों के हाथों से ही कराए,जनप्रतिनिधियों । उन्होंने जगह-जगह बनाई जा रही अवैध कॉलोनी को नियंत्रित करने के निर्देश दिए। और कहां की नगर पालिका तत् संबंध में आवश्यक संज्ञान लेते हुए कार्रवाई सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने राम पथ गमन पथ पर विकास कार्य करने के भी निर्देश दिए,और कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग एवं जनजातिय कार्य विभाग विद्यार्थियों को समय पर शिष्यावृती एवं छात्रवृत्ति देना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी शासकीय एवं अ शासकीय स्कूल समय पर खुलें। स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति सत प्रतिशत रहे। अध्यापक गण अध्यापन में नवीन तकनीकी का उपयोग करें। कमिश्नर श्री तिवारी ने अधीक्षण यंत्री पीएच ई को निर्देश दिए कि वह जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर नल कनेक्शन का कार्य हरदा बैतूल एवं नर्मदापुरम जिले में 31 दिसंबर 2025 तक पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने उपायुक्त जनजाति कार्य विभाग को निर्देश दिए की धरती आबा के अंतर्गत जो कार्य कराए जाने हैं से सतत संवाद एवं समन्वय बनाकर रखें।

सांची में 29 तथा 30 नवम्बर को महाबोधि महोत्सव एवं मेला का आयोजन

रायसेन (निप्र)। जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध पर्यटन नगरी सांची में 29 तथा 30 नवम्बर 2025 को महाबोधि महोत्सव एवं मेला का आयोजन किया जाएगा। प्रभारी कलेक्टर श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा द्वारा मंगलवार को गेटवे रिट्रीट सांची में आयोजित बैठक में महाबोधि महोत्सव एवं मेला आयोजन की तैयारियों हेतु अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में महाबोधि सोसायटी के धर्मगुरू भी उपस्थित रहे। प्रभारी कलेक्टर तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने यातायात व्यवस्था, वाहन पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं के बारे में अधिकारियों से विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि सांची महोत्सव और मेले में प्रदेश ही नहीं देश और विदेश से भी पर्यटक आते हैं जिसके दृष्टिगत गरिमामय तथा व्यवस्थित आयोजन हेतु सभी तैयारियां समय से पहले ही पूरी कर ली जाएं। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री पंकज कुमार पाण्डे द्वारा सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, बेरिकेडिंग आदि के संबंध में पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक के उपरांत प्रभारी कलेक्टर श्री शर्मा द्वारा अधिकारियों के साथ बौद्ध स्तूप परिसर पहुंचकर भ्रमण किया गया तथा पार्किंग, पर्यटकों के स्तूप परिसर में आगमन-निर्गमन, स्वच्छता व्यवस्था आदि के संबंध में निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय, एसडीएम श्री मनीष शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

जिले में कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य सुधार हेतु वितरित की जा रही है फूड बॉस्केट

रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले को कुपोषणमुक्त बनाने के लिए महिला बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित संबंधित विभागों द्वारा अभियान के रूप में कार्य किया जा रहा है। साथ ही जनप्रतिनिधियों, व्यापारिक संगठनों, सामाजिक संगठनों आदि के सहयोग से कुपोषित बच्चों को फूड बॉस्केट वितरित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में पढ़रियाखुर्द, कोटपारगणेश, सुल्तानगंज, खरबई, बेगमगंज, गैरतगंज सहित अन्य ग्रामों तथा निकायों में कुपोषित बच्चों को फूड बॉस्केट वितरित की गई। साथ ही महिला बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा कुपोषित बच्चों के माता-पिता से गृह भेंट कर बच्चों के स्वास्थ्य में पोषण आहार का महत्व बताया जा रहा है। साथ ही घर पर ही सुगमता से उपलब्ध खाद्य सामग्रियों से पौष्टिक आहार बनाने की विधि बताई जा रही है।

सिविल सर्जन ने किया जिला अस्पताल का निरीक्षण

बैतूल (निप्र)। सिविल सर्जन डॉ. जगदीश घोरे ने मंगलवार को जिला अस्पताल की विभिन्न शाखाओं का अचानक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई विभागों में कर्मचारियों की अनुपस्थिति सामने आई। पैथोलॉजी विभाग में जांच के समय लैब तकनीशियन श्रीमती नमिता मिश्रा और डाटा एंट्री ऑपरेटर प्रार्थना ताम्रकार ड्यूटी पर नहीं मिलीं। दोनों को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इसके पश्चात एमसीएच भवन का भी निरीक्षण किया गया। इसी क्रम में सोनोग्राफी कक्ष में पहुंचने पर स्त्री रोग विशेषज्ञ प्रसूताओं की सोनोग्राफी करते हुए पाई गईं। वहीं एएनसी एवं पीएनसी वार्ड के निरीक्षण में महिला रोग विशेषज्ञ अनुपस्थित मिलीं, जिनके विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। एसएचआईवी शाखा में भी डाटा एंट्री ऑपरेटर प्रदीप दरवाई अपने कार्यस्थल पर मौजूद नहीं मिले, जिसके चलते उन्हें स्पष्टीकरण पत्र जारी किया गया। निरीक्षण के दौरान आरएमओ डॉ. रानू वर्मा उपस्थित रहे। सिविल सर्जन ने सभी कर्मियों को समय पर ड्यूटी पर उपस्थित रहने और सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने के निर्देश दिए।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत कठपुतली और नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति अंतर्गत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन के माध्यम से जन जागरूकता लाई जा रही है। तत्संबंध मेंमहिला एवं बाल विकास संचालनालय के निर्देशानुसार भोपाल के कलाकारों द्वारा कठपुतली और नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं व बच्चों से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी हेतु जिले की विविध परियोजनाओं में आयोजित किये जा रहे हैं।

कलेक्टर ने इंडियन स्कूल ऑफ डेवलपमेन्ट मेनेजमेन्ट के विद्यार्थियों से की चर्चा

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने मंगलवार को नोएडा के आईएसडीएम (इंडियन स्कूल ऑफ डेवलपमेन्ट मेनेजमेंट के जिले के भ्रमण पर आए विद्यार्थियों से चर्चा की। विद्यार्थियों से संवाद के दौरान कलेक्टर ने उनके जिज्ञासों का समाधान भी किया। उल्लेखनीय है कि आईएसडीएम नोएडा में अध्ययनरत 8 विद्यार्थी 9 से 21 नवम्बर तक जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के भ्रमण पर आए थे। इस दौरान इन विद्यार्थियों ने चिकलपाट, बांसपानी, चन्द्रखाल, कायदा, पिपल्या, जिनवानिया सहित जिले के अन्य ग्रामों का भ्रमण सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का अध्ययन किया।

कलेक्टर ने जल जीवन मिशन कार्यों की समीक्षा की

हर-घर नल से जल योजना में पानी की सप्लाई सुचारू रूप से संचालित हो - कलेक्टर

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज भारत सरकार के महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर नल से जल पहुंचे इसके लिए जल निगम और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय की विभाग द्वारा जिले में क्रियान्वित 522 नल जल योजनाओं पर किए जा रहे कार्यों की वस्तु स्थिति की जानकारी ली।

बैठक में विभागीय अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि जिले में 522 नल जल योजनाओं में से 378 योजनाएं पूर्ण हुई है, पूर्ण योजनाओं में से 262 योजनाएं संबंधित ग्राम पंचायत को हस्तांतरित भी की जा चुकी है। जहां जल प्रदाय व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित है। 144 योजनाएं हस्तांतरित करने के लिए प्रगति रथ है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने बैठक में विदिशा जिले के ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों और आंगनबाड़ियों में नल जल योजना के माध्यम से जलप्रदाय व्यवस्थाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने समितियों को उपलब्ध कराई गई किट और पानी की टेस्टिंग इत्यादि के संबंध में भी निर्देश दिए हैं के अलावा उनारसी कला और गमाखर ग्राम में पानी टंकियों की रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु भी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है। बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर नल कनेक्शन की अघतन स्थिति, नल जल योजनाओं की भौतिक प्रगति की जानकारी, पूर्ण नल जल योजनाओं को हस्तांतरित किए जाने का विवरण, एफएचटीसी टारगेट, रिपोर्टेड एवं प्रमाणीकरण ग्रामों की जानकारी, प्रगतिरत एकल नल जल योजनाओं में किये जा रहे रोड रेस्टोरेशन की स्थिति, स्वीकृत टंकियां की स्थिति और विदिशा जिले में स्थापित हैंड पंपों के चालू और बंद की स्थिति सहित पीव्हीटीजी ग्रामों में जल प्रदाय व्यवस्था की जानकारी सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई।

ऑनलाइन गणना प्रपत्र अपलोडिंग में बैतूल जिला अव्वल

मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को मिली प्रशंसा

बैतूल (निप्र)। जिले में चल रहे निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के अंतर्गत बीएलओ द्वारा घर-घर सर्वेक्षण से भरे गए गणना प्रपत्रों को मोबाइल एप के माध्यम से ऑनलाइन अपलोड करने की प्रक्रिया पूरे वेग से जारी है। अभियान की प्रगति की लगातार समीक्षा करते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अक्षत जैन ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ की प्रशंसा की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विधानसभा क्षेत्रों में बीएलओ के कार्यों का दैनिक मूल्यांकन किया जा रहा है। मुलताई विधानसभा क्षेत्र 129 के मतदान केंद्र क्रमांक 194 के बीएलओ सुभाष गाढरे ने 98.66 प्रतिशत दर्जीकरण कर विधानसभा क्षेत्र में पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं आमला विधानसभा क्षेत्र 130 के मतदान केंद्र क्रमांक 160 की बीएलओ संगीता पवार ने 99.30 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर प्रथम स्थान हासिल किया। मतदान केंद्र 187 के बीएलओ सुनिता कवड़े ने 96.30 प्रतिशत दर्ज कर दूसरा स्थान प्राप्त किया जबकि आमला क्षेत्र के ही मतदान केंद्र क्रमांक 256 के बीएलओ दीपक वर्मा ने 94.60 प्रतिशत कार्य पूरा कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार घोड़ाडोंगरी विधानसभा क्षेत्र 132 के मतदान केन्द्र क्रमांक 86 की बीएलओ सुश्री मेघना डाली ने 83.71 प्रतिशत एवं विधानसभा क्षेत्र भैंसदेही के मतदान केन्द्र क्रमांक 230 की बीएलओ सुश्री सुभद्रा द्वारा 76.26 प्रतिशत तथा विधानसभा क्षेत्र 131-बैतूल के बीएलओ श्री दीपक राव द्वारा 48.21 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर अपनी विधानसभा क्षेत्रों में गणना प्रपत्र के डिजिटाईजेशन कार्य में प्रथम स्थान पर है। कलेक्टर श्री अक्षत जैन एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मकसूद अहमद, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि बाकी बीएलओ भी प्रेरणा लेते हुए निर्धारित समयावधि में अपने कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण करें।

छात्रावास अधीक्षिका निलंबित

विदिशा (निप्र)। जनजातीय गौरव दिवस पर बासौदा के मानस भवन में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में शासकीय समुदाय कल्याण केन्द्र बरेठ के छात्रों को मानस भवन तक लाने ले जाने के कार्यों में लापरवाही बरतने पर अधीक्षिका श्रीमती मनीषा शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जनजातीय कार्य विभाग के जिला संयोजक द्वारा जारी किया गया है। जिला संयोजक श्री सुनील मरकाम के द्वारा जारी आदेश में उल्लेख है कि प्राथमिक शिक्षक प्रभारी अधीक्षिका सामुदायिक कल्याण केन्द्र बरेठ श्रीमती मनीषा शर्मा को निलंबन काल अवधि के दौरान नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी। निलंबन काल में इनका मुख्यालय जिला संयोजक अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कार्य विभाग विदिशा नियत किया गया है।

सिकल सेल गर्भवती महिलाओं की देखभाल पर एएनसी प्रशिक्षण आयोजित

10 ब्लॉकों के चिकित्सा अधिकारियों और नर्सिंग ऑफीसरों को दिया प्रशिक्षण

बैतूल (निप्र)। एएनएम प्रशिक्षण केन्द्र टिकारी बैतूल में मंगलवार को जिले में सुरक्षित मातृत्व को सुदृढ़ बनाने तथा सिकल सेल एनीमिया से प्रभावित गर्भवती महिलाओं को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विशेष प्रसवपूर्व देखभाल एएनसी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में जिले के सभी 10 विकासखंडों के चिकित्सा अधिकारियों और नर्सिंग ऑफीसर, लेब टेक्नीशियन ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य कर्मियों को सिकल सेल प्रभावित गर्भवती महिलाओं में संभावित जटिलताओं की समय पर पहचान, निर्धारित एएनसी प्रोटोकॉल के प्रभावी पालन, सुरक्षित प्रसव और प्रसवोत्तर देखभाल सुनिश्चित करने हेतु प्रशिक्षित करना था। सीएमएचओ डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने कहा कि बैतूल जिला सिकल सेल नियंत्रण कार्यक्रम के क्रियान्वयन में निरंतर उत्कृष्ट कार्य कर रहा है और उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की सुरक्षित देखभाल जिला प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने बताया कि सिकल सेल, गर्भवती माता के साथ-साथ आने वाले बच्चे के लिये भी गंभीर समस्या है। गर्भवती महिला सिकल सेल होने पर, समय पूर्व प्रसव, गुर्दे एवं यकृत से संबंधित रोग, कम वजन बढ़ना, रक्त के थक्के बनने की समस्या, मूत्र मार्ग एवं स्वसन तंत्र का संक्रमण इत्यादि एवं होने वाले शिशु को भ्रूण की वृद्धि में रूकावट, जन्म के समय कम वजन, मृत जन्म इत्यादि जटिलताएं उत्पन्न हो सकती हैं। शासन का मिशन है सिकल सेल बीमारी का वर्ष 2047 तक उन्मूलन किया जाना है, हम इस लक्ष्य को इससे पूर्व प्राप्त करने के भरपूर प्रयास करेंगे। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ.जगदीश घोरे ने बताया कि सिकल सेल कार्यक्रम के अंतर्गत स्क्रीनिंग के बाद उसकी पुष्टि करना, मरीज को उपचार देना एवं उसका फॉलोअप करना बहुत आवश्यक है, साथ ही जो दवाईयां चल रही हैं उसकी पोर्टल पर एन्ट्री करना आवश्ययक है। प्रशिक्षण का मुख्य तकनीकी सत्र जिला सिकल सेल कार्यक्रम की नोडल अधिकारी एवं पैथोलॉजिस्ट डॉ. अंकिता सिते द्वारा संचालित किया गया। उन्होंने बताया कि सिकल सेल एनीमिया एक आनुवंशिक रोग है, जिसमें गर्भावस्था के दौरान गंभीर एनीमिया, संक्रमण, दर्द संकट (क्राइसिस), समयपूर्व प्रसव तथा मातृ एवं शिशु जटिलताओं का जोखिम अधिक रहता है। उन्होंने निर्देशित किया कि ऐसी गर्भवती महिलाओं का प्रारंभिक पंजीयन कर उन्हें उच्च जोखिम श्रेणी में दर्ज करना अनिवार्य है, साथ ही नियमित सीबीसी आवश्यक प्रयोगशाला जाँच, सतर्क निगरानी, पोषण परामर्श तथा आवश्यकता पड़ने पर समय पर एफआरयू या जिला अस्पताल में रेफरल जीवनरक्षक सिद्ध हो सकता है। प्रशिक्षण में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ भावना कवडकर ने बताया कि प्रसव प्रबंधन, रेफरल प्रोटोकॉल, प्रसव के दौरान आवश्यक सावधानियाँ तथा प्रसवोत्तर संक्रमण नियंत्रण के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी दी।

कलेक्टर ने लंबित आवेदनो की समीक्षा की, आवेदनों का संतुष्टि से निराकरण पर दिया जोर

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सोमवार को लंबित आवेदनो की गहन समीक्षा की। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित इस बैठक में उन्होंने विभिन्न स्तरो पर प्राप्त आवेदनो के निराकरण के संबंध में विशेष पहल करने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन तहत लंबित शिकायत का संतुष्टि पूर्वक निराकरण कराएं ताकि जिले की ग्रेडिंग रैंकिंग में सुधार परिलक्षित हो। 50 दिवस और 100 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों की भी गहन समीक्षा की गई है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने सीएम हेल्पलाइन, वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त आवेदनो के साथ-साथ समाधान ऑन लाइन कार्यक्रम में सम्मिलित विषयों पर आधारित आवेदनो के निराकरणो की अद्यतन जानकारियां प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि एल वन स्तर पर हीं आवेदन का निराकरण हो इसके लिए विभाग के जिलाधिकारियों को विशेष पहल करनी होगी।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने लंबित आवेदनो की समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागो के माध्यम से क्रियान्वित हितग्राहीमूलक योजनाओं व विशेष अभियान के तहत संपादित किए गए कार्यो की भी समीक्षा की। लंबित आवेदनो की समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएमएमयू, उपार्जन कार्य, नलजल योजनाएं, खाद एवं बीज की आपूर्ति, भण्डारण एवं वितरण, जल मिशन के कार्य, स्वास्थ्य विभाग के कार्य व आयुष्मान पखवाडा, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत खाद्यान्न का उठाव एवं वितरण की स्थिति, खनिज, परिवहन, आबकारी एवं पंजीयन विभाग की राजस्व प्राप्ति और उनके साप्ताहिक निरीक्षण कार्यो की जानकारियां प्राप्त की गई हैं। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने बैठक में पीएचई विभाग की नल-जल योजनाओं के कार्यो की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए हैं कि ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों और आंगनबाड़ियों में पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करें, इसके अलावा उन्होंने विशेष कर विदिशा और कुरवाई क्षेत्र में नरवाई जलाने के प्रकरणों में आवश्यक कार्रवाई के साथ-सा अवेयरनेस लाने हेतु जन जागरूकता व प्रचार प्रसार के लिए कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है।

स्वास्थ्य सेवाएं जनता का अधिकार हैं और किसी भी स्थिति में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : कलेक्टर

- स्वास्थ्य सेवाओं में सुस्ती पर कलेक्टर सख्त, कई अधिकारियों को नोटिस के निर्देश
- जिला स्वास्थ्य समिति बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. का कड़ा रुख, सुधार के दिए सख्त निर्देश

सीहोर (निप्र)। जिला पंचायत सभाकक्ष में कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने स्वास्थ्य विभाग की गतिविधियों, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण पुनर्वास केंद्रों की कार्यप्रणाली, टीकाकरण प्रगति, एनआरसी एवं एसएनसीयू की स्थिति, एनसीडी स्क्रीनिंग, टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम तथा दवाई उपलब्धता सहित संपूर्ण गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने विभिन्न स्वास्थ्य संकेतकों में अपेक्षित सुधार नहीं मिलने पर गहरी नाराज़गी जताई और कई अधिकारियों को संतोषजनक प्रगति न होने पर जमकर फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में लक्ष्य प्राप्ति नहीं हो रही है, वहाँ जिम्मेदार अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएँ और आगामी समीक्षा में ठोस सुधार दिखना चाहिए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने स्वास्थ्य अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी स्वास्थ्य संस्थान दवाओं की उपलब्धता, लेब जांच की नियमितता, मातृ एवं बाल मृत्यु समीक्षा की समयबद्ध रिपोर्टिंग, टीकाकरण में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति तथा एनसीडी स्क्रीनिंग में हर पात्र नागरिक की जांच सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि 'स्वास्थ्य सेवाएँ जनता का मूल अधिकार हैं और किसी भी स्थिति में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हर ब्लॉक में अधिकारी स्वयं फील्ड विज़िट करें और वास्तविक स्थिति की मॉनिटरिंग कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।' उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी अस्पतालों में स्वच्छता, रोगी सुविधा, रिकॉर्ड प्रबंधन और एनक्यूएएस मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए तथा जिन संस्थानों का प्रदर्शन लगातार कमजोर है, वहाँ विशेष समीक्षा की जाए।

बैठक में कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को आगामी समीक्षा में ठोस परिणाम प्रस्तुत करने, सभी लंबित शिकायतों का शीघ्र निराकरण करने और सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों को निर्धारित समयावधि में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगली बैठक में प्रगति नहीं मिलने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सीएमएचओ डॉ सुधीर कुमार डेहरिया, डीपीओ श्री ज्ञानेश खरे सहित सभी स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित थे।

एमपी में अगले 2 दिन शीतलहर चलेगी

भोपाल-इंदौर समेत 6 जिलों में अलर्ट; शाजापुर-राजगढ़ सबसे ठंडे

भोपाल, नप्र। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी से आधे मध्यप्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पिछले 24 घंटे में सबसे ठंडा शाजापुर रहा। यहां न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा भोपाल, इंदौर, जबलपुर-उज्जैन समेत 15 शहरों में 10 डिग्री से नीचे रहा। गुरुवार को भोपाल, इंदौर समेत 6 जिलों में कोल्ड वेव यानी, शीतलहर चलेगी।

इस बार नवंबर के पहले सप्ताह से ही प्रदेश में कड़ाके की ठंड है। स्थिति यह है कि रात का पारा लगातार नीचे जा रहा है। इस वजह से भोपाल में नवंबर की सर्दी का पिछले 84 साल का रिकॉर्ड टूट चुका है। वहीं, इंदौर में 25 साल में सबसे ज्यादा सर्दी है। मौसम विभाग ने पूरे नवंबर में तेज ठंड का दौर बरकरार रहने का अनुमान जताया है। अगले दो दिन तक प्रदेश में शीतलहर का अलर्ट है। फिर शीतलहर से थोड़ी राहत मिल सकती है।

10 डिग्री से नीचे चल रहा पारा

मंगलवार-बुधवार की रात प्रदेश के 15 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया। राजगढ़ सबसे ठंडा रहा। यहां पारा 6.5 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल और इंदौर में पारे में फिर गिरावट हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, भोपाल में 7.8 डिग्री, इंदौर में 6.9 डिग्री, ग्वालियर में 10.7 डिग्री, उज्जैन में 9.5 डिग्री और जबलपुर में 9.9 डिग्री रहा। इसी तरह पचमढ़ी में 6.6 डिग्री, नौगांव में 8 डिग्री, शिवपुरी में 9 डिग्री, खरगोन में 9.4 डिग्री, छिंदवाड़ा-मलाजखंड में 9.6 डिग्री और रीवा में 9.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बाकी शहरों में 10 से 13 डिग्री के बीच पारा टिका रहा।

आज इन जिलों में शीतलहर चलेगी

गुरुवार को भोपाल, इंदौर, देवास, सीहोर, शाजापुर और राजगढ़ में शीतलहर का अलर्ट है। इससे पहले भोपाल, राजगढ़, इंदौर, शाजापुर, सीहोर, खंडवा, खरगोन, शहडोल और जबलपुर में शीतलहर चली। शाजापुर का दिन कोल्ड डे दर्ज किया गया।

22 नवंबर को लो प्रेशर एरिया एक्टिव होगा

22 नवंबर से देश के दक्षिण-पूर्वी खाड़ी में एक लो प्रेशर एरिया (निम्न दबाव का क्षेत्र) एक्टिव हो रहा है। इससे पहले प्रदेश में अगले 2 दिन तक शीतलहर का अलर्ट है।

इस बार नवंबर में पहले सप्ताह में ही तेज ठंड

प्रदेश में नवंबर में पिछले 10 साल से ठंड के साथ बारिश का ट्रेंड भी है। इस बार भी ऐसा ही मौसम है। आम तौर पर दूसरे सप्ताह में कड़ाके की ठंड पड़ती है, लेकिन इस बार पहले सप्ताह से ही तेज ठंड का असर है। वहीं, बारिश के लिहाज से अक्टूबर का महीना उम्मीदों पर खरा उतरा है। इस महीने औसत 2.8 इंच पानी गिर गया, जो सामान्य 1.3 इंच से 121त्न ज्यादा है।

5.6 डिग्री तक जा चुका न्यूनतम पारा

इंदौर में नवंबर में ठंड का असर रहता है। खासकर दूसरे सप्ताह से पारा तेजी से गिरता है। इस वजह से रातें ठंडी हो जाती हैं और टेम्प्रेचर 10 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। 25 नवंबर 1938 को पारा 5.6 डिग्री सेल्सियस तक जा चुका है।

1927 में 3 इंच पानी गिरा था

पिछले 10 साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो नवंबर में ग्वालियर में पारा 8 डिग्री तक पहुंच चुका है। 54 साल पहले वर्ष 1970 में टेम्प्रेचर 3 डिग्री गया था। यह ओवरऑल रिकॉर्ड है। 2 नवंबर 2001 को दिन का तापमान 37.3 डिग्री तक रहा, जबकि यह सामान्य तौर पर 33 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है।

भोपाल में रिटायर्ड बैंक मैनेजर से 68 लाख की ठगी

4 करोड़ के फॉड में जेल भेजने की धमकी दी, भोपाल पुलिस बनकर किया डिजिटल अरेस्ट

भोपाल, नप्र। भोपाल के शाहपुरा इलाके में रहने वाले रिटायर्ड बैंक मैनेजर के साथ डिजिटल अरेस्ट कर 68 लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने खुद को भोपाल पुलिस बता कर वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित ने स्टेट साइबर में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार, 65 वर्षीय दयाराम देशमुख शाहपुरा में रहते हैं। उनके बेटे पियूष देशमुख ने बताया कि पिता बैंक ऑफ इंडिया के रिटायर्ड मैनेजर हैं। सोमवार को अज्ञात मोबाइल धारक ने उन्हें कॉल किया और स्वयं को भोपाल पुलिस अधिकारी बताकर उनके कार्यकाल के दौरान हुए चार करोड़ रुपए के फ्रॉड के मामले में जेल भेजने की धमकी दी।

सहयोग का दिया भरोसा, कमरे में रखा डिजिटल अरेस्ट: आरोपियों ने उनकी बहन को भी जान का खतरा होने की चेतावनी दी। इससे दयाराम देशमुख घबरा गए और पूरी घटना अपनी पत्नी को बताई। बाद में आरोपियों ने जांच में सहयोग का भरोसा दिलाया और उन्हें एक कमरे में ÷डिजिटल अरेस्ट÷ रखा। इसके बाद उनके मोबाइल में सिग्नल ऐप डाउनलोड कराया गया और वीडियो कॉल के माध्यम से उनसे पूछताछ की गई।

पूरी घटना को असली दिखाने के लिए पूछताछ करने वाला व्यक्ति पुलिस अधिकारी की तरह वर्दी पहने ऑफिस में बैठा था। आरोपियों ने भरोसा दिलाया कि यदि वे जांच में सहयोग करेंगे तो उन्हें बचा लिया जाएगा। इसके लिए उन्होंने सुरक्षा राशि के तौर पर कुछ रकम अपने बताए खातों में ट्रांसफर करने को कहा।

68 लाख रुपए लिए, कहा- अब खतरा नहीं: इसके बाद मंगलवार को माता-पिता बैंक पहुंचे और पांच अलग-अलग एफडीओ से करीब 68 लाख रुपए आरोपियों के बताए खातों में ट्रांसफर कर दिए। आरोपियों ने कहा कि अब किसी तरह का खतरा नहीं है, लेकिन जांच पूरी होने तक किसी को इस बारे में जानकारी नहीं देनी है। जब मामला बेटे के संज्ञान में आया, तो उन्होंने पिता को लेकर स्टेट साइबर कार्यालय पहुंचे और गुरुवार को शिकायत दर्ज कराई।

निगम ने हटाए विभिन्न क्षेत्रों से अतिक्रमण

भोपाल, नप्र। नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमणों एवं अवैध निर्माणों को हटाने की कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने सीएम हेल्प लाईन, कॉल सेंटर व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में अतिक्रमण कर लगाए गए गुमठियां, ठेले, पान पार्लर, काउंटर, सब्जी आदि की दुकाने तथा दुकानों के बाहर रखा सामान हटाया साथ ही आवागमन में बाधक दो पहिया, चार पहिया वाहन के अलावा फूड वेन, अवैध रूप से बने चबूतरे, स्लेब आदि हटाए और ठेले, भट्ठी, कुर्सी, टेबिल, हैंगर, लोहे की घोड़ी, जालियां आदि सहित अन्य प्रकार का सामान जप्त किया। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने बुधवार को कोलार रोड, सिग्नेचर-99, चूना भट्ठी, सर्वधर्म कालोनी, ललिता नगर, डी-मार्ट, जे.के.हॉस्पिटल, सलैया चौराहा, दानिशकुंज चौराहा, माता मंदिर, बाग मुगालिया, 80 फिट रोड, अमराई, लहारपुर, नरेला संकरी जोड, सुभाष स्कूल, बिट्टन मार्केट, न्यू मार्केट, लिंक रोड नंबर 01, टी.टी.नगर थाना, दाता कालोनी, हमीदिया अस्पताल, काला दरवाजा आदि क्षेत्रों में अतिक्रमणों के विरूद्ध कार्यवाही ।

प्रमुख सचिव श्री यादव की अध्यक्षता में हुई राज्य सुपरवाइजरी बोर्ड की बैठक

भोपाल, नप्र। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य शिक्षा श्री संदीप यादव की अध्यक्षता में गर्भधारण एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) राज्य सुपरवाइजरी बोर्ड पी.सी.पी.एन.डी.टी. की बैठक में अनेक निर्णय लिये गये। बैठक में विधानसभा सदस्य श्रीमती प्रियंका मीणा, आयुक्त लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री तरुण राठी, अतिरिक्त सचिव विधि एवं विधायी कार्य श्री निशित खरे सहित विभिन्न विभागीय अधिकारियों तथा तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागिता की गयी।

राज्य सुपरवाइजरी बोर्ड की बैठक में लिये गये मुख्य निर्णयों में मध्यप्रदेश में भ्रूण लिंग चयन संबंधी सूचना तंत्र को सुदृढ़ करने एवं सामाजिक भागीदारिता को बढ़ावा देने के लिये 'पुनरीक्षित मुखबिर पुरस्कार योजना'' संचालित है, जिसका प्रदेश में अधिकाधिक प्रचार-प्रसार किया जाये। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा 'पुनरीक्षित मुखबिर पुरस्कार योजना'' अंतर्गत 2 लाख रुपये के पुरस्कार का प्रावधान है, जिसमें मुखबिर के सूचना पर पी.सी.पी.एन.डी.टी. अधिनियम अंतर्गत प्रकरण सफल स्टिंग ऑपरेशन होने अथवा प्रकरण पंजीबद्ध होने पर मुखबिर या सूचनादाता को 50 हजार रुपये दिये जाने का प्रावधान है। साथ ही न्यायालय द्वारा पंजीबद्ध प्रकरण में दंडित किये जाने पर मुखबिर या सूचनादाता को पुनः 30 हजार रुपये दिये जाने का प्रावधान है। पी.सी.पी.एन.डी.टी. अधिनियम की धारा-22 अंतर्गत किसी भी व्यक्ति, संगठन, केन्द्र द्वारा लिंग चयन सुविधाओं के संबंध में किसी भी प्रकार का विज्ञापन भौतिक या इंटरनेट के माध्यम से प्रकाशन, वितरण एवं संसूचित करने पर प्रतिबंध है।

लिंग चयन के संबंध में साइबर एडवर्टाइजमेंट, ई-कॉमर्स प्लेटफार्म पर बेची जा रही सामग्री, इंटरनेट पर उपलब्ध आपत्तिजनक ब्लॉग्स/वीडियोज आदि को साइबर निगरानी द्वारा नियंत्रित किये जाने की आवश्यकता है। इसके लिये विभाग द्वारा पुलिस महानिरीक्षक, इंटेलिजेंस के समन्वय से सुदृढ़ कार्यवाही पी.सी.पी.एन.डी.टी. अधिनियम, 1994 एवं आई.टी. अधिनियम, 2000 के स्थापित प्रावधान अनुरूप कार्यवाही की जायेगी। समाज में लिंग चयन आधारित गर्भपात से संभावित सामाजिक असंतुलन एवं लैंगिक हिंसा के नियंत्रण के लिये जन-प्रतिनिधियों के सोशल मीडिया पेज तथा जिलों के आधिकारिक वेबसाइट तथा सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से सामाजिक जागरूकता एवं जन-भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी।

भोपाल में 6वीं के छात्र से प्रिंसिपल ने की मारपीट

भोपाल, नप्र। भोपाल में ईदगाह हिल्स स्थित गुरुनानक हायर सेकेंडरी स्कूल में 6वीं कक्षा के छात्र 12 वर्षीय छात्र के साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार का मामला सामने आया है।

बच्चे के परिजनों ने स्कूल प्रिंसिपल सुरजीत कौर पर थप्पड़ मारने, गाली-गलौज करने, भविष्य खराब करने की धमकी देने और बच्चे को बेहोशी की हालत में छोड़ने का गंभीर आरोप लगाया है।

घटना के बाद परिजनों ने शाहजहांनाबाद थाने में प्रिंसिपल और स्कूल प्रबंधन के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है।

पिता का आरोप- चेहरे पर 10-15 थप्पड़ों के निशान: बच्चे के पिता ने पुलिस को बताया कि उन्हें मंगलवार दोपहर 2ः08 बजे स्कूल से कॉल आया था कि मेरे बेटे की तबीयत खराब है। तुरंत स्कूल पहुंचें। जब स्कूल पहुंचे तो उनका बेटा अस्त-व्यस्त हालत में मिला। उसके चेहरे पर सूजन और थप्पड़ों के निशान थे और वह सांस लेने में तकलीफ के बाद अचानक बेहोश हो गया।

उसे आनन-फानन में चिरायु अस्पताल ले गए। जहां कुछ देर बाद उसे होश आया। इसके बाद बेटे ने बताया कि उसका सहपाठी से विवाद हो गया। उसकी क्लास टीचर उसे प्रिंसिपल के पास ले गईं। जहां प्रिंसिपल सुरजीत कौर ने स्कूल कॉरिडोर में ही बच्चे को 10-15 थप्पड़ मारे।

पहले भी देती थीं धमकियां, टीसी देने की बात कहती थीं: पिता की शिकायत के अनुसार- प्रिंसिपल अक्सर मेरे बेटे को बुलाकर टीसी देने और साल खराब कर देने की धमकी देती थी। जब मैंने घटना को लेकर उनसे बात करनी चाही, तो उन्होंने मुझसे भी बदसलूकी की और स्कूल से जबर्दस्ती बाहर निकाल दिया।

जब मैंने शिकायत की तो उन्होंने बेटे के साथ उसी स्कूल में 9वीं कक्षा में पढ़ने वाली बेटी को भी ऑनलाइन क्लास वाले व्हाट्सऐप ग्रुप से हटा दिया है।

मां से कहा- आपका बच्चा गुंडा बनेगा: बच्चे की मां ने बताया कि मंगलवार दोपहर 2ः03 बजे प्रज्ञा सोनी मैम का कॉल आया कि प्रिंसिपल बुला रही हैं। जब हम पहुंचे तो बच्चा बेहोशी हालत में था। टीचर कह रहे थे कि दो बच्चों की लड़ाई हुई है। मैंने कहा दूसरे बच्चे के पेरेंट्स को बुलाइए, मैं उसका इलाज करवा दूंगी, लेकिन उन्होंने मना कर दिया।

जब हम बात कर रहे थे, तभी प्रिंसिपल बाहर आईं और बोलीं 'क्या गुंडा बनाओगी अपने बेटे को?': इसके बाद उन्होंने हमें जबरदस्ती स्कूल से बाहर कर दिया। मेरे बेटे ने मुझे बताया कि प्रिंसिपल मैम ने 7-10 थप्पड़ मारे।

पुलिस टीम द्वारा तीन दिन से लापता बच्चे को 10 घण्टे के अंदर ढूंढकर किया उसके पिता को सुपुर्द

भोपाल, नप्र। फरियादी अमित डागर निवासी पीजीबीटी.कालेज रोड़ कृष्णा कालोनी थाना गौतमनगर भोपाल ने थाना आकर रिपोर्ट लिखवाई कि उसका बेटा उम्र 13 साल दिनांक 17.11.25 को कोचिंग नही जाने की बात को लेकर डाटने पर घर से बिना बताये कही चला गया है । फरियादी की रिपोर्ट पर थाना गौतम नगर में गुम इंसान क्र.80/25 कायम किया गया तथा गुम शुदा नाबालिग होने से अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फुसला कर अपहरण कर ले जाने की शंका होने पर थाना गौतम नगर में अ.क्र. 595/25 धारा 137(2) बीएनएस का पंजीबद्ध किया गया है। अपराध की सूचना तत्समय वरिष्ठ अधिकारियो को दी गई। वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देशों पर पुलिस उपायुक्त श्री अभिनव चोकसे जोन क्र.03 एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्रीमति शालिनी दीक्षित एवं सहायक पुलिस आयुक्त हनुमानगंज संभाग श्री राकेश बघेल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरी. महेंद्र सिहं ठाकुर थाना गौतम नगर द्वारा बालक की खोजबीन करने के संबंध में थाना स्तर पर टीम गठित की गई । थाना गौतम नगर पुलिस टीम द्वारा नाबालिक बालक की तलाश हेतु फोटो सर्क्युलेट की गई , भोपाल शहर के थानो तथा अन्य जिला के जीआरपी थानो से सम्पर्क स्थापित किया जो बालक के संबंध में दिनाँक 18/11/25 को जबलपुर से निजामुददीन जा रही गोंडवाना एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा कर रहे चेतन्य यादव निवासी नवीन पैलेस नजफगढ़ न्यू दिल्ली द्वारा थाना गौतमनगर पर सूचना दी गई की उक्त फोटो व हुलिया का बालक जबलपुर से निजामुददीन जा रही गोंडवाना एक्सप्रेस ट्रेन में दिखा है ट्रेन सागर स्टेशन पहुँचने वाली है कि सूचना पर तत्काल तत्समय टीम भेजकर बालक को 10 घण्टे में सकुशल दस्तयाब कर सफलता अर्जित कर बालक को उसके पिता को सुपुर्द किया गया है। बालक से पूछताछ करने पर बालक को उसके पिता द्वारा कोचिंग न जाने की बात को लेकर डांट देना एवं बालक घर से बिना बताये पैदल पैदल रेशम केंद्र से छोला रोड होते हुये रेलवे स्टेशन भोपाल पहुँचना तथा भोपाल रेलवे स्टेशन से ट्रेन मे बैठ बीना जाना एवं किसी प्रकार की कोई घटना घटित नही होना बताया ।

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने की विभागीय समीक्षा

भोपाल, नप्र। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने बुधवार को विभागीय योजनाओं की व्यापक समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि महिलाओं, बालिकाओं और बच्चों से जुड़ी प्रत्येक सेवा का क्रियान्वयन संवेदनशील, समयबद्ध और पारदर्शी हो। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने विभाग की प्रमुख योजनाओं- मिशन वात्सल्य, मिशन शक्ति, मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, पोषण अभियान और आंगनवाड़ी सेवाओं की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि विभाग की प्रत्येक योजना सीधे उन महिलाओं, बालिकाओं और बच्चों तक पहुँचती है जो सुरक्षा, पोषण और सहयोग की सबसे अधिक आवश्यकता रखते हैं, इसलिए क्रियान्वयन में किसी तरह की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

सुश्री भूरिया ने विशेष रूप से चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और महिला हेल्पलाइन 181 के संचालन पर जोर देते हुए निर्देश दिए कि ये सेवाएँ चौबीसों घंटे पूरी संवेदनशीलता के साथ सक्रिय रहें। उन्होंने कहा कि संकट की घड़ी में एक त्वरित प्रतिक्रिया किसी बच्चे या महिला के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है।मंत्री सुश्री भूरिया ने निर्देश दिए कि विभागीय अधिकारियों को लाभार्थियों से सीधे संवाद करते हुए मौके पर सुनवाई और समाधान की प्रक्रिया को और मजबूत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में विभाग ने कई ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं और अब लक्ष्य है कि इन उपलब्धियों को और अधिक गहराई तक पहुँचाया जाए। आयुक्त श्रीमती निधि निवेदिता ने विस्तृत प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि आंगनवाड़ी केंद्रों के उन्नयन, चयन पोर्टल के माध्यम से पारदर्शी भर्ती, पोषण स्तर में सुधार, टेक-होम राशन की गुणवत्ता और जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों में विशेष योजनाओं के क्रियान्वयन पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि विभाग का प्रयास है कि प्रत्येक योजना का लाभ जमीनी स्तर तक सुचारु रूप से पहुँचे। हम सभी जिलों में मॉनिटरिंग को और मजबूत कर रहे हैं तथा फील्ड स्तर पर त्वरित समस्या-निवारण को प्राथमिकता दी जा रही है।

प्रदेश में सहकारिता आन्दोलन में हमने पारदर्शिता स्थापित करने के सार्थक प्रयास किए:सारंग

अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह का समापन समारोह आयोजित

भोपाल, नप्र। अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह का समापन समारोह आज आयोजित किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के दौरान मुख्यमंत्री जी एवं प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में मध्य प्रदेश में सहकारिता आन्दोलन में हमने पारदर्शिता स्थापित करने के सार्थक प्रयास किए हैं, जो फलीभूत हो रहे हैं । उन्होंने कहा कि परिचालन दक्षता, जवाबदेही और पारदर्शिता के लिये डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने' विषय पर चर्चा होगी। यह समारोह अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के मद्देनजर आयोजित किया जा रहा है।

अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक मनोज गुप्ता ने बताया कि समापन समारोह समन्वय भवन, अपेक्स बैंक, भोपाल में आयोजित किया गया । इस राज्य स्तरीय आयोजन में मध्यप्रदेश की सभी प्रादेशिक सहकारी संस्थाओं एवं सहकारी बैंकों के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहेंगे।

सूचनाओं का त्वरित संप्रेषण करें जनसंपर्क अधिकारी : आयुक्त जनसम्पर्क

राज्य स्तरीय कार्यशाला में हुए माइंड स्टॉर्मिंग सैशन

भोपाल, नप्र। आयुक्त जनसंपर्क श्री दीपक सक्सेना ने कहा है कि जनसंपर्क अधिकारी जन कल्याण के लिए शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों को प्रिंट , इलेक्ट्रानिक , डिजिटल और सोशल मीडिया के माध्यम से आम जनता तक पहुंचाएं। साथ ही आमजन की भावनाओं, आवश्यकताओं से निरंतर शासन और प्रशासन को अवगत कराएं। मीडिया, जनप्रतिनिधियों , अधिकारिओं और समाज के विभिन्न वर्गों से संवाद और सम्पर्क कर जनहित में सूचनाओं का त्वरित संप्रेषण करें।

जनसंपर्क आयुक्त श्री सक्सेना बुधवार को भोपाल में जनसंपर्क अधिकारियों की राज्य स्तरीय दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ श्री पंकज श्रीवास्तव, श्री मनोज मनु, श्री शरद द्विवेदी और श्री सचिन चौधरी ने प्रिंट, इलेक्ट्रानिक , सोशल और डिजिटल मीडिया के संबंध में सारगर्भित जानकारी दी. कार्यशाला में माइंड स्टॉर्मिंग सेशन हुए, जिनमें

आयुक्त जनसंपर्क श्री सक्सेना और विषय-विशेषज्ञों द्वारा जनसंपर्क अधिकारियों से गहन संवाद किया गया। अपर संचालक जी. एस. वाधवा एवं श्री संजय जैन संयुक्त संचालक श्री पंकज मित्तल, श्री अशोक मनवानी, श्री आर आर पटेल सहित प्रदेश के सभी संभागीय और जिला जनसंपर्क अधिकारी उपस्थित थे। आयुक्त श्री सक्सेना ने कहा कि जनसंपर्क विभाग जनता और शासन के बीच एक प्रभावी सेतु का कार्य करता है। एक और जहां विभाग जनता की भावनाओं को शासन प्रशासन को संप्रेषित करता है, वहीं दूसरी ओर शासन की योजनाओं और कार्यों को आम जनता तक पहुँचाता है। विभाग मीडिया के सहयोग से इस कार्य को बखूबी अंजाम देता है। जनसंपर्क अधिकारी अपनी इस ताकत को पहचाने और सक्रिय एवं सजग होकर कार्य करें।आयुक्त श्री सक्सेना ने कहा कि बीते वर्षों में मीडिया का परिदृश्य बहुत बदल गया है। आज रियल टाइम रिपोर्टिंग की आवश्यकता है। जनसंपर्क अधिकारी प्रिंट मीडिया को समय पर उपलब्ध कराने समाचार के साथ इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल/ सोशल मीडिया को भी उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप समाचार उपलब्ध कराए। जनसंपर्क अधिकारी केवल शासकीय बैठकों और कार्यक्रमों के कवरेज तक ही सीमित न रहें। फील्ड में जाकर शासन की विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं पर केन्द्रित और नागरिकों की भावनाओं को शामिल कर समाचार बनाएं।

जनसंपर्क आयुक्त ने कहा कि मीडिया के बदलते हुए स्वरुप के अनुसार समाचारों की हैडिंग और वन लाइनर्स पर विशेष ध्यान दें। शासन के प्राथमिकता वाले विषयों जैसे किसान, महिला, बच्चे, युवा कल्याण-कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाए। शासन के मेगा प्रोजेक्ट का भी व्यापक प्रचार प्रसार हो।

संपादकीय

कब सस्ते होंगे हवाई टिकट?

त्योहारों और छुट्टियों के दौरान तथा उड़ान के अंतिम समय में ज्यादातर विमानन कंपनियां मनमाने तरीके से किराये में बढ़ोतरी कर देती हैं। विमानन कंपनियों के विस्तार और उड़ान योजना के लागू होने से उम्मीद जगी थी कि हवाई सेवाएं किफायती होंगी और आम आदमी भी जरूरत पड़ने पर विमान यात्रा कर सकेगा। मगर किराया निर्धारण में कोई नियामकीय व्यवस्था न होना और निजी विमानन कंपनियों को खुली छूट आम लोगों की उम्मीदों पर भारी पड़ रही है। मांग और आपूर्ति के बीच असंतुलन की आड़ में किराये में अक्सर की जाने वाली वृद्धि के कारण हवाई सेवाओं की पहुंच आर्थिक रूप से सक्षम वर्ग तक ही सिमटती प्रतीत हो रही है। यही वजह है कि अब शीर्ष अदालत ने निजी विमानन कंपनियों की ओर से लागू हवाई किराये और अन्य शुल्कों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव को लेकर केंद्र सरकार, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और भारतीय विमानपत्तन आर्थिक नियामक प्राधिकरण को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इससे संबंधित याचिका में नागरिक उड्डयन क्षेत्र में पारदर्शिता, किराया नियंत्रण और यात्री सुरक्षा के लिए एक स्वतंत्र नियामक स्थापित करने की मांग की गई है। गौरतलब है कि त्योहारों और छुट्टियों के दौरान तथा उड़ान के अंतिम समय में ज्यादातर विमानन कंपनियां मनमाने तरीके से किराये में बढ़ोतरी कर देती हैं। आखिर में विमान यात्रा का विकल्प चुनते हैं। मगर सरकार की ओर से इस संबंध में न तो कोई हस्तक्षेप किया जाता है और न ही किसी तरह के दिशा-निर्देश जारी किए जाते हैं। साफ है कि विमानन कंपनियों के इस तरह मुनाफा कमाने पर कोई लगाम नहीं है। इस मसले पर शीर्ष अदालत में दायर याचिका में दावा किया गया है कि निजी विमानन कंपनियों ने बिना किसी ठोस कारण के इकोनामी श्रेणी के यात्रियों के लिए मुफ्त 'चेक-इन बैगेज' भत्ते को 25 किलोग्राम से घटाकर 15 किलोग्राम कर दिया है।

वंदे मातरम् केवल उद्घोष नहीं दुनिया के शीर्ष 10 गीतों में सर्वाधिक लोकप्रिय दूसरा गीत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों मन की बात में देशवासियों से संवाद कायम करते हुए वंदे मातरम् के 150 वें वर्ष पर आयोजनों की श्रृंखला के माध्यम से आज की पीढ़ी को वंदे मातरम् के इतिहास और प्रेरकता से रुबरु कराने का संदेश दिया है। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने बंगाल के कांतलपाड़ा गांव में जब 7 नवंबर, 1876 में वंदे मातरम् गीत की रचना की तब उनके मानस में शायद ही यह होगा कि यह गीत स्वतंत्रता आंदोलन में आजादी के दिवानों का प्रेरक होने के साथ ही आजादी के बाद भी देश की राष्ट्रीय एकता और मातृभूमि के प्रति प्रेम और श्रद्धा का प्रतीक बन जाएगा।

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

वंदे मातरम् में जिस तरह से मॉ भारती की स्तुति की गई है वह हमारी पहचान और गौरवपूर्ण सांस्कृतिक विरासत से रुबरु कराने का माध्यम बन गई। 1870 के भयंकार अकाल और अंग्रेजों द्वारा महारानी की शान में गौड़ सेव क्वीन के लिए बाध्य करने की प्रतिक्रिया के रुप में वंदे मातरम् की आधार भूमि तैयार हुई। कुछ समय बाद ही बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास आनंद मठ में वंदे मातरम् को प्रमुख स्थान दिया गया। आनंद मठ भी गुलामी से मुक्ति और अंग्रेजों के प्रति विद्रोह की भावना से ओतप्रोत उपन्यास होने से आजादी के आंदोलन ही नहीं आज भी प्रेरणा का स्रोत है। आनंद मठ में भवानन्द संन्यासी संन्यासी विद्रोहियों का नेतृत्व करते हुए यह गीत गाते हैं। वंदे मातरम् गीत की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि गुरुवर रविन्द्र नाथ टैगोर ने 1896 के कांग्रेस के सम्मेलन में इसे अपने स्वर देते हुए स्वयं गाया। उसके बाद तो वंदे मातरम् भारत की आत्मा ही बन गया। स्वतंत्रता आंदोलन के सेनानियों के लिए तो वंदे मातरम् जयघोष ही बन गया। 1905 में बंगाल विभाजन के विरोध का मार्च गीत ही वंदे मातरम् रहा। हालांकि वंदे मातरम् को लेकर मुस्लिम लीग आदि ने सांप्रदायिकता, धर्म विशेष से प्रेरित और मां दुर्गा को लेकर

विरोध व्यक्त किया गया और यही कारण रहा कि वंदे मातरम् गीत के आरंभिक दो छंदों को ही कांग्रेस द्वारा राष्ट्रगीत के रुप में स्वीकारा गया।

यह हमारे लिए गौरव की बात है कि आजादी के अमृत काल में हम वंदे मातरम् के 150 वें वर्ष को मनाने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों मन की बात में देशवासियों से संवाद कायम करते हुए वंदे मातरम् के 150 वें वर्ष पर आयोजनों की श्रृंखला के माध्यम से आज की पीढ़ी को वंदे मातरम् के इतिहास और प्रेरकता से रुबरु कराने का संदेश दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वंदे मातरम् भले ही 19 वीं शताब्दी में लिखा गया था लेकिन इसकी भावना भारत के हजारों वर्ष पुरानी अमर चेतना से जुड़ी थी। वेदों में जिस भाव से माता भूमि पुत्रों अहम् पृथिव्या भाव से जुड़ा है। 1950 में वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गीत के रुप में अपनाया गया। 1950 में ही जदुनाथ भट्टाचार्य ने वंदे मातरम् को संगीत दिया। जनगणमन जहां राष्ट्रगान है और औपचारिक आयोजनों में राष्ट्रगान को गाया जाता है और उसके अपने प्रोटोकाल है वहीं राष्ट्रगीत किसी भी राष्ट्रीय अवसर पर गाया जा सकता है।

वंदे मातरम् केवल गीत या उद्घोष ना होकर 140 करोड़ देशवासियों को एकजुट करने, राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत करने और सनातन भारतीय संस्कृति से रुबरु कराने का माध्यम है। भारत भूमि की सनातन सांस्कृतिक विरासत से रुबरु कराने का माध्यम है वंदे मातरम। गुलामी के दौर में वंदे मातरम् राष्ट्रीय भावना, देश प्रेम और स्वतंत्रता आंदोलन का उद्घोष रहा है तो आजादी के बाद यह देशवासियों की आत्मा बन चुका है। बहुत कम को जानकारी होगी कि दुनिया के 7000 इस तरह के गीतों में से दुनिया के अव्वल 10 गानों को चयन किया गया और उनमें से भी हमारा वंदे मातरम् राष्ट्रगीत सबसे लोकप्रिय गीतों में दूसरे स्थान पर है। यह कोई हमारी घोषणा ना होकर 2003 में बीबीसी वर्ल्ड द्वारा कराये गये वैश्विक सर्वे में उभर कर आया है। वंदे मातरम् की लोकप्रियता और सर्वग्राह्यता को इसी से आसानी से समझा जा सकता है। आज भी वंदे मातरम् के उद्घोष मात्र से ही देशवासियों में जिस तरह से हृदय से राष्ट्र प्रेम और राष्ट्रीयता की भावना जागृत होती है उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। भारतीय भूमि के कण कण को प्रकाशित करते इस गीत में भारत के प्राकृतिक सौन्दर्य, सांस्कृतिक परंपरा और एकता की ड़ोर में पिरोये भारत की अभिव्यक्ति है। यही कारण है कि राष्ट्रीय गीत के एक एक शब्द का अपना सौन्दर्य है और गौरवशाली परंपरा को संजोये हुए हैं। हमें हमारी गौरवशाली परंपरा को संजोये रखने के लिए वंदे मातरम् के एक एक शब्द और उसके भावार्थ को समझना होगा। आजादी के दीवानें जहां वंदे मातरम् के उद्घोष के साथ देश की आजादी के लिए प्राण न्यौछावर कर दिए वहीं अब आज हमें वंदे मातरम् के भावों को समझने, आत्मसात् करने और देशविरोधी ताकतों, सांप्रदायिक तत्वों को निरुत्साहित करते हुए भारत मां के गौरव में चार चांद लगाने के समुचित प्रयास करने होंगे। खासतौर से आज की पीढी को समझने और देशभक्ति से ओतप्रोत होने की इसलिए आवश्यकता है कि आज जिस तरह से वैश्विक संकट का दौर चल रहा है और भारत की उत्तरोत्तर प्रगति से अमेरिका सहित दुनिया के देश पचा नहीं पा रहे हैं उन हालातों में वंदे मातरम् की भावना प्रत्येक भारतवासी में होना जरुरी हो गया है। हमें देश की गरिमा और गौरव को बनाये रखना होगा। वंदे मातरम् 140 करोड़ देशवासियों वासियों को माला के मणियों की तरह राष्ट्रप्रेम और एकता से पिरोये रखेगा। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सीडीएस ने घरेलू रक्षा उद्योग क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और स्वदेशीकरण की पोल खोल दी

(नीरज कुमार दुबे)

भारतीय रक्षा उद्योग के सामने खड़े सबसे असहज प्रश्न कभी राजनीतिक नेताओं ने तो नहीं पूछे लेकिन यह काम सेना के सबसे ऊँचे अधिकारी यानि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, जनरल अनिल चौहान ने कर दिखाया है। जनरल अनिल चौहान की टिप्पणी कठोर है, सीधी है और उतनी ही असुविधाजनक भी, क्योंकि इससे वह वास्तविकता उजागर होती है जिसे अक्सर आत्मनिर्भरता के शोर में दबा दिया जाता है। दरअसल आपातकालीन रक्षा खरीद (ईपी) के पाँचवें और छठे चरण के विफल अनुभवों ने सेना को स्पष्ट रूप से निराश किया है क्योंकि तमाम घोषणाओं और 'अतिस्वदेशी' दावों के बावजूद समय पर आवश्यक उपकरण नहीं मिले। जब सीडीएस कहते हैं कि 'उद्योग को अपने लाभ केंद्रित प्रयासों में थोड़ा राष्ट्रवाद और देशभक्ति भी दिखानी चाहिए', तो यह सिर्फ भावनात्मक अपील नहीं होती बल्कि यह सुरक्षा-स्वाभिमान के मूल प्रश्न को छूती है।

उल्लेखनीय है कि ईपी व्यवस्था का जन्म संकटकालीन जरूरतों को देखते हुए हुआ था। उद्देश्य यह कि सेना को लंबी प्रक्रियाओं से अलग हटकर तत्काल हथियार, मिसाइलें और आवश्यक प्रणालियाँ मिल सकें। मोदी सरकार ने आपातकालीन खरीद प्रावधान के तहत हर अनुबंध की सीमा करीब 300 करोड़ रुपए तक निर्धारित की है और इन्हें एक वर्ष के भीतर निष्पादित करने का प्रावधान है ताकि लंबी सामान्य प्रक्रियाओं की जगह तेजी से आवश्यक उपकरण जुटाए जा सकें। इस व्यवस्था के पाँचवे चरण के बाद रक्षा मंत्रालय ने ईपी-6 को भी मंजूर किया था। लेकिन घरेलू रक्षा कंपनियाँ अनुबंध पर हस्ताक्षर तो कर देती हैं मगर एक वर्ष की समयसीमा में उपकरणों की आपूर्ति नहीं कर पातीं। यह सिर्फ देरी नहीं, सामरिक क्षमता का नुकसान है। आपातकालीन खरीद नीति की असफलता सीधे मोर्चों पर सैनिकों की तैयारी को प्रभावित करती है। अगर ईपी-5 व ईपी-6 में ओवर-प्रॉमिस, अंडर-डिलिवर का चलन बढ़ रहा है तो यह अच्छा संकेत नहीं है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि रक्षा उपकरणों के निर्माण में 70 प्रतिशत स्वदेशी या 80 प्रतिशत स्थानीय सामग्री का उपयोग जैसी घोषणाएँ गर्व तो पैदा करती हैं लेकिन जब सीडीएस स्वयं यह कहें कि वास्तविकता इससे बहुत कम है, तो यह न केवल उद्योग की विश्वसनीयता पर प्रहार है, बल्कि पूरे आत्मनिर्भरता-वृत्तांत को भी चुनौती है। विदेशी मशीनों को सिर्फ देसी पेंच से जोड़कर किसी प्रणाली को स्वदेशी कहना आत्मनिर्भरता की परिभाषा से खिलवाड़ है। युद्ध जैसी घड़ी में आयात पर निर्भर घटक नहीं आयें तो पूरी प्रणाली ठप हो सकती है। इसलिए भारत के घरेलू रक्षा उद्योग को और जिम्मेदारी के साथ काम करना होगा।

साथ ही सीडीएस की यह टिप्पणी कि भारतीय कंपनियाँ अंतरराष्ट्रीय बाजार का सामना करने लायक मूल्य-प्रतिस्पर्धा नहीं रखतीं, एक और कठोर सच्चाई उजागर करती है। सरकारी खरीद का प्रतिस्पर्धी होना बहुत जरूरी है क्योंकि महँगे हथियारों की कीमत अंततः करदाताओं से ही चुकाई जाती है। साथ ही सीडीएस का थोड़ा राष्ट्रीयवाद वाला कथन मूल रूप से उद्योग की नैतिक जिम्मेदारी पर भी प्रकाश डालता है। राष्ट्र की सुरक्षा केवल सरकार और सेना की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि रक्षा उद्योग भी उतना ही साझेदार है। पर यह साझेदारी तभी सार्थक बनेगी जब लाभ कमाने के साथ कंपनियाँ सुरक्षा की संवेदनशीलता और समयसीमा की गंभीरता को समझें। यह भी समझना होगा कि रक्षा उद्योग केवल एक कारोबारी क्षेत्र नहीं, बल्कि रणनीतिक परिसंपत्ति है। इस क्षेत्र में अतिशयोक्ति, देरी या गैर-पारदर्शिता, किसी अन्य उद्योग की तुलना में कई गुना अधिक खतरनाक हो सकती है।

यदि रक्षा उद्योग सचमुच आत्मनिर्भर भारत का स्तंभ बनना चाहता है, तो उसे कुछ बुनियादी बदलावों को स्वीकार करना होगा। जैसे ईपी अनुबंधों पर कठोर दंडात्मक प्रावधान करने होंगे और इसके तहत समयसीमा तोड़ने पर आर्थिक जुर्माने या ब्लैकलिस्टिंग जैसे कदम उठाने होंगे। साथ ही स्वदेशीकरण का स्वतंत्र ऑडिट कराना चाहिए। इसके अलावा, माइलस्टोन आधारित अनुबंध होने चाहिए, अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप मूल्य निर्धारण होना चाहिए और आरएण्डडी आधारित उद्योग मॉडल होना चाहिए क्योंकि केवल असेंबली पर आधारित उद्योग टिकाऊ नहीं होते।

देखा जाये तो जनरल चौहान का बयान वास्तविक अनुभव से निकला है। उनके शब्द उद्योग को कटघरे में नहीं, बल्कि दायित्व के दायरे में लाते हैं। भारत आज ऐसे मोड़ पर है जहाँ आधुनिक युद्ध केवल सीमा पर नहीं, अंतरिक्ष से लेकर साइबर और ड्रोन-तकनीक के नए क्षेत्रों में लड़ा जा रहा है। इस नए युद्धक्षेत्र में देरी, अनिश्चितता या गलत दावे की कोई जगह नहीं है। रक्षा उद्योग यदि वही पुरानी असेंबली आधारित सोच, ऊँचे दाम और ढीली समयसीमा पर चलता रहा, तो आत्मनिर्भरता का सपना एक आकर्षक नारा तो रहेगा, पर वास्तविकता नहीं बनेगा।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 5919

1	2	■	3		4	5	6
7		■		■	8		
9		10	■	■	11		
12			■	13	■	■	■
■	■	14	15		16	17	
18	19			■	20		■
		■		■		■	22
■	23		■	24			

संकेतः बाएं से दाएं
1. 25 मार्च 1924 को इस देश ने अपने गणतंत्र बनने की घोषण की (2)
3. घोड़ों की सवारी करने वाला पहला व्यक्ति यहां का था और घोड़ों को पालतू बनाने की प्रक्रिया भी यहीं से शुरू हुई थी (5)
7. जल प्राप्त का कृत्रिम स्त्रोत (2)
8. हिंदी माह श्रावण का अपभ्रंश (3)
9. हिंदी साहित्य में अर्थालंकार का भेद, रूप से युक्त (3)
11. नगद का अपभ्रंश (3)
12. रूठे हुए को प्रसन्न करना (3)
14. बात का सही अर्थ न समझने का भाव, बात समझने में धोखा खा जाना (6)
18. पुराणानुसार सात पातालों में से एक पाताल का नाम, यह प्रहलाद का निवास स्थान भी कहा गया है (4)
20. निर्निमेष दृष्टि (2)
21. सिलवट, शिकन, सिकुड़न (2)
23. नेत्र, आंख, नयन (2)
24. दादा का पिता, प्रतितामह (4)

ऊपर से नीचे
1. प्रसाधन कक्ष को यह भी कहते है (4)
2. विलाप करना, दुख उठाना (4)
3. कोई धार्मिक व्याख्यान या प्रसंग (2)
4. कृषक, खेतिहर (3)
5. स्तुतिवादक, स्तुति करने वाला (3)
6. जो रिश्ते में पति की बहन हो (3)
10. श्राद्धपक्ष, पितृपक्ष, जब सूर्य कन्या राशि में हो (4)
13. पुत्र, बेटा (2)
15. प्रबल अभिलाषा, गहरी चाह (3)
16. झिड़की, डांट, दुत्कार (4)
17. अधिकार, स्वामित्व (2)
18.उस अवस्था में, विशिष्ट परिस्थिति में (2)
19. लोभ, किसी चीज को पाने की अनुचित इच्छा (3)
22. पुरानी फिल्मों की नायिका जिनका निधन 25 मार्च 2014 को हुआ था (2)

वर्ग पहेली 5918 का हल

इ	ज	रा	इ	ल	■	नौ	रू
ज	ल	ज	■	ग	म	क	ना
हा	■	द	म	न	का	री	■
र	ग	■	घा	■	न	■	सि
■	री	वा	■	अ	दा	ल	त
रो	ब	■	शु	मा	र	■	म
श	■	वा	स्त	व	■	भो	ग
न	र्म	दा	■	स्या	म	■	र

मिशन-2026- माओवादी आतंक का खात्मा तय

(कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल)

यानी संदेश साफ है कि नक्सलवाद-माओवाद के प्रति 'ज़ीरो टॉलरेंस' की नीति तय है। मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद-माओवाद का संपूर्ण खात्मा सुनिश्चित है। ये अभियान अपने अंतिम चरण पर है। साथ ही नक्सलवाद-माओवाद को पालने-पोसने वालों और समर्थकों के लिए कड़ी चेतावनी है।

देश सहित छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद का खात्मा हो रहा है। छत्तीसगढ़ का कुख्यात माओवादी आतंकी हिडमा 18 नवंबर को मारा गया। छत्तीसगढ़-आंध्रप्रदेश बॉर्डर पर सुरक्षाबलों ने हिडमा की पत्नी समेत कुल 6 नक्सली-माओवादियों को ढेर कर दिया है।

वस्तुत- नक्सलवाद-माओवाद के समूलनाश के पीछे केन्द्र की मोदी सरकार और राज्य की साय सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता है।जो सरेंडर करने वालों का स्वागत भी कर रही है। पुनर्वास भी सुनिश्चित कर रही है। लेकिन अगर माओवादी,आतंक का रास्ता नहीं छोड़ते तो उनका अंत भी तय है। यानी मिशन-2026 पूरी तरह से एक्टिवेट है।

17 नवंबर 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में रामनाथ गोयनका व्याख्यान में भी माओवादी आतंक की समाप्ति का ज़िक्र किया। अर्बन नक्सलियों और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि - पूरे देश में नक्सलवाद-माओवादी आतंक का दायरा बहुत तेजी से सिमट रहा है, लेकिन कांग्रेस में ये उतना ही सक्रिय होता जा रहा था। आप भी जानते हैं, बीते पांच दशकों तक देश का करीब-करीब हर बड़ा राज्य, माओवादी आतंक की चपेट में, चपेट में रहा। लेकिन ये देश का दुर्भाग्य था कि कांग्रेस भारत के संविधान को नकारने वाले माओवादी आतंक को पालती-पोसती रही और सिर्फ दूर-दराज के क्षेत्रों में जंगलों में ही नहीं, कांग्रेस ने शहरों में भी नक्सलवाद की जड़ों को खाद-पानी दिया। कांग्रेस ने बड़ी-बड़ी संस्थाओं में अर्बन नक्सलियों को स्थापित किया है।

साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरी गंभीरता के साथ देश की एकता पर गंभीर ख़तरे को भी चिन्हांकित किया। उन्होंने कहा कि - 10-15 साल पहले कांग्रेस में जो अर्बन नक्सली, माओवादी पैर जमा चुके थे, वो अब कांग्रेस को मुस्लिम लीगी-माओवादी कांग्रेस, एमएमसी बना चुके हैं। और मैं आज पूरी जिम्मेदारी से कहूंगा कि ये मुस्लिम लीगी-माओवादी कांग्रेस, अपने स्वार्थ में देशहित को तिलांजलि दे चुकी है। आज की मुस्लिम लीगी-माओवादी कांग्रेस, देश की एकता के सामने बहुत बड़ा खतरा बनती जा रही है।

2023 में छत्तीसगढ़ में बीजेपी सरकार की वापसी होने के बाद बस्तर क्षेत्र से माओवादियों का खात्मा हो रहा है। व्यापक स्तर पर आत्मसमर्पण कराया जा रहा है। पहले बोली फिर गोली दोनों का प्रयोग किया जा रहा है। स्थायी शांति की ओर तमाम प्रयास किए जा रहे हैं।? इसके साथ ही जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने चेताया है चुनौतियां अब भी बनी हुई हैं। माओवादियों का अर्बन मॉडल जिसे अर्बन नक्सली के नाम से जाना जाता है। वो अभी भी देश भर में सक्रिय हैं। नई रणनीतियों पर लगा हुआ है। लेकिन ये तय है कि देश भर से नक्सलवाद-माओवादी आतंकवाद का खात्मा होगा। अर्बन नक्सलियों के ताबूत में भी अंतिम कील ठोंकी जाएगी। स्थायी शान्ति और विकास की बहाली होगी। ये नया भारत है। जो अपने नागरिकों की सुरक्षा और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। संदेश साफ है देशविरोधी कोई कृत्य बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। (लेखक साहित्यकार, स्तंभकार एवं पत्रकार) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आज का राशिफल

मेष
आज परेशानियों से छुटकारा मिलेगा। आपका कारोबार अच्छा चलेगा और पार्ट टाइम कार्य करने का भी समय मिलेगा। आज आपके लिए महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का दिन है। काफी संघर्ष के बाद आज आपको परेशानियों से कुछ राहत मिलेगी। धीरे-धीरे आपको भाग्य का भी साथ मिलेगा साथ देगा।

वृष
आज के दिन शुभ कार्यों में शामिल होने का असर मिलेगा। आपके परिवार में किसी शुभ मांगलिक कार्य के आयोजन की चर्चा हो सकती है। ये समय अपने जीवन स्तर को सुधारने का है। फिलहाल आपको स्थाई प्रयोग में आने वाली वस्तुओं की ही खरीदारी करनी चाहिए।

मिथुन
आज आपका समय तेजी से आगे बढ़ने का है। आपकी अप्रत्याशित उन्नति को देखकर सभी हैरान होंगे। स्वयं आपकी नजर भी अपनी उपलब्धियों पर लग सकती है। प्रगति की इस गति को स्थायी रखना आपका प्रमुख कार्य होना चाहिए। आगे चलकर प्रतिष्ठा को धक्का लग सकता है।

कर्क
आज आपका दिन अपने भाई-बहन की देखभाल में बीतेगा। परिवार को लेकर अपनी जिम्मेदारियों की पूर्ति करते नजर आएंगे। घर में किसी महत्वपूर्ण विषय पर बातचीत हो सकती है। सभी की सहमति से घर बदलने या किसी जगह शिफ्ट होने पर भी बात हो सकती है।

सिंह
आज आपको कारोबार में कुछ परेशानियां आ सकती हैं। पिछले काफी दिनों से व्यवसाय में उतार-चढ़ाव से चिंता बनी रहेगी। अस्थिरता आपका पीछा नहीं छोड़ रही है। नौकरी व्यवसाय आदि के क्षेत्र में पूर्ण सुधार चाहते हैं तो आपको आलस्य व आराम का त्याग करना पड़ेगा।

कन्या
आज आपकी राशि का स्वामी तृतीय घर में आ चुका है और मंगल के साथ पापाक्रान्त है। ऐसे में विशेष प्रकार की भागदौड़ आपको करनी पड़ेगी। उसके नतीजे भी लाभदायक होंगे। फिलहाल तो आप अपने कार्य को उत्साहपूर्वक पूरा करें।

तुला
आज आप अकारण ही चिंतित और परेशान रहेंगे। शुक्र के कारण कुछ परेशानियां खड़ी होती दिख रही हैं। सामाजिक और व्यवसायिक क्षेत्र में विरोधियों की भीड़ आपके सामने खड़ी हो सकती है। आप अपने साहस और बुद्धिमानी से ही इन लोगों को पराजित कर सकते हैं। ऐसे में मन की दुर्बलता व दुर्गुणों का त्याग करें।

धनु
आज आपको किसी नए संपर्क से लाभ मिलेगा। अतीत के संदर्भ में अनुसंधान का फायदा भी मिल सकता है। रुका हुआ धन कठिनाई से मिलेगा। रोजमर्रा के कामों में कोताही न बरतें। व्यावसायिक उन्नति से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। रात्रि के समय मांगलिक अवसरों में जाने का अवसर मिलेगा।

कुंभ
आज उच्चाधिकारियों की घनिष्टता से लाभ उठाने का सुअवसर आज दिन भर बना रहेगा। आयात निर्यात के व्यवसाय आरंभ का निर्णय भी आज हो सकता है। अध्यात्म और धर्म में रुचि बढ़ेगी। किसी यात्रा पर जाने या मंगल कार्यों में शामिल होने का संयोग बन रहा है। समय के सदुपयोग से आपका सितारा बुलंद होगा।

वृश्चिक
आज अकस्मात मंगलमय समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। कार्य-व्यवसाय के क्षेत्र में आए तनाव अपने ऊपर हावी न होने दें। बनते-बिगड़ते परिवेश में नई योजना सफल होगी। पुराने झगड़े झंझटों से छुटकारा मिलेगा। अधिकारी वर्ग में सामंजस्य बढ़ेगा। निराशाजनक विचारों को मन में न आने दें।

मकर
आज सामाजिक, धार्मिक कामों में भाग लेने से आपका सम्मान बढ़ेगा। ग्रहों की चाल से आपको भाग् का साथ मिलेगा। क्रय-विक्रय के व्यवसाय में लाभ होगा। शुभ समाचार भी दिन भर प्राप्त होते रहेंगे। मित्रों में भी हास्य विनोद बढ़ेगा। व्यर्थ के झंझटों से बचे रहें।

मीन
आज आपकी राशि के स्वामी-देव गुरु बृहस्पति ज्ञान विज्ञान का भण्डार है। ऐसे में उन्नति के क्षेत्र में कई मार्ग खुलेंगे। अध्ययन व अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। आज के दिन विवादास्पद प्रकरण समाप्त होंगे। गुप्त शत्रु व ईर्ष्यालु साथियों से सावधान रहना होगा। किसी को आज पैसा उधार न दें।

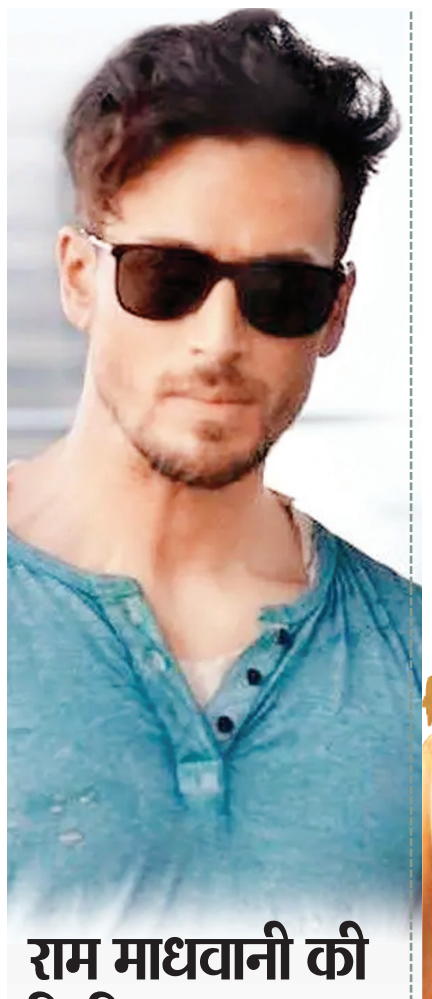

राम माधवानी की स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर फिल्म में टाइगर श्रॉफ की एंट्री

टाइगर श्रॉफ ने अपने एक्शन से इंडस्ट्री में अलग छाप छोड़ी है। उनका यह हुनर उनकी फिल्मों में भी नजर आता है। टाइगर ने बागी फ्रेंजाइजी, हीरोपंती और वॉर के साथ एक्शन का एक एंपायर बनाया है। अब वे एक कदम और आगे बढ़ते हुए एक्शन में नया धमाल करते दिखेंगे। दरअसल, राम माधवानी की आगामी स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर फिल्म में टाइगर लीड रोल अदा करने वाले हैं, जिसमें उनका धांसू एक्शन अवतार देखने को मिलेगा।

पारंपरिक एक्शन फिल्मों से अलग होगी यह फिल्म

टाइगर श्रॉफ ने निर्माता-निर्देशक राम माधवानी की आगामी फिल्म साइन की है। यह स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म में टाइगर को एक ऐसे अवतार में देखा जाएगा, जैसे वे पहले कभी नजर नहीं आए। महावीर जैन फिल्म्स और राम माधवानी फिल्म्स द्वारा इस फिल्म को प्रोड्यूस किया जाएगा। यह बॉलीवुड की पारंपरिक एक्शन फिल्मों से एक कदम आगे साबित होगी।

जापान में होगी शूटिंग

राम माधवानी की यह फिल्म सिर्फ भारतीयों को ही नहीं, बल्कि वैश्विक दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टाइगर इस फिल्म के लिए तैयारी में जुट गए हैं। कहा जा रहा है कि इसके प्रोडक्शन का एक बड़ा हिस्सा जापान में शूट किया जाएगा।

बाकी स्टारकास्ट के नाम फाइनल होने बाकी

फिलहाल टाइगर पहले अभिनेता हैं, जो इस फिल्म का हिस्सा बने हैं। फिल्म के लिए फीमेल लीड और नेगेटिव रोल निभाने के लिए एक्टर की तलाश जारी है। इसके अलावा अन्य सपोर्टिव रोल के लिए भी कास्ट फाइनल होनी बाकी है। टाइगर इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। फिलहाल राम माधवानी और महावीर जैन, दोनों अपनी-अपनी टीमों के साथ फिल्म के पहले लुक पर काम कर रहे हैं, जिसे आधिकारिक घोषणा के साथ जल्द ही रिवील किए जाने की उम्मीद है।

राशा थडानी की लगी लॉटरी

महेश बाबू के भतीजे संग इश्क फरमाएंगी

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने आजाद फिल्म से डेब्यू किया था और अब उन्हें तेलुगू फिल्म मिल गई है। महेश बाबू के भतीजे जय कृष्णा घट्टामनेनी के ऑपोसिट उन्हें साइन किया गया है। राशा ने अपना पोस्टर भी शेयर कर दिया है जिसे देख फैंस की एक्साइटमेंट चरम पर है।

इस साल की शुरुआत में बॉलीवुड अदाकारा रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपना सफर शुरू किया। उन्होंने अभिषेक कपूर की फिल्म आजाद से अजय देवगन और उनके भांजे अमन देवगन के साथ एक्टिंग की शुरुआत की। अपने प्यारे हाव-भाव, दमदार डायलॉग डिलीवरी और उई अम्मा गाने पर अपने कातिलाना अंदाज के लिए राशा जल्द ही सेंसेशन बन गईं। हाल ही में, वह मुंज्या फेम अभय वर्मा के साथ अपनी अगली फिल्म लइकी लइका की शूटिंग में व्यस्त हैं। और अब सोमवार की सुबह ही राशा ने अपने तेलुगू डेब्यू की घोषणा की, जिसमें वह सुपरस्टार महेश बाबू के भतीजे जय कृष्णा घट्टामनेनी के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

राशा थडानी को मिली तेलुगू फिल्म

राशा थडानी ने अपने सोशल मीडिया

हैंडल पर अपनी पहली तेलुगू फिल्म की घोषणा की, जिसका टाइटल फिलहाल प्रक्ष4 रखा गया है। वह फिल्ममेकर अजय भूपति के साथ काम करेंगी, जिन्होंने ऋ 100 (2018) का भी निर्देशन किया था। यह फिल्म महेश बाबू के भतीजे जय कृष्णा घट्टामनेनी के साथ होगी। जय कृष्णा दिवंगत एक्टर रमेश बाबू के बेटे और दिग्गज अभिनेता कृष्णा के पोते हैं।

अदिति पोहनकर ने बॉबी देओल के साथ काम करने के अपने अनुभवों को साझा किया

अभिनेत्री अदिति पोहनकर वेब सीरीज आश्रम में बॉबी देओल के साथ मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। एक्ट्रेस ने अभिनेता के साथ काम करने के अपने अनुभवों को साझा किया है। अदिति पोहनकर ने बताया, 'मुझे नहीं पता कि मैं कैसे कहूं कि मुझे अब बॉबी सर की याद आती है। आश्रम में काम करना अद्भुत था। मेरा मतलब है, वह बहुत अच्छे इंसान और अभिनेता हैं। उन्होंने आगे कहा, 'लगभग तीन साल तक हम सबने साथ में शूटिंग की है। बॉबी सर एक बहुत ही अच्छे और सच्चे इंसान और अभिनेता हैं। मुझे लगता है कि अब वह इस बात को और भी ज्यादा एक्सप्लोर कर रहे हैं।'अभिनेत्री ने आगे बातचीत में कहा, 'एक एक्टर के रूप में, आप बस यही करना चाहते हैं। आप एक ऐसी स्क्रिप्ट चाहते हैं जो कई रंग, कई परतें दिखा सके। मुझे लगता है कि आश्रम से आगे बढ़ने और जिद्दी इश्क जैसी चीज पाने की जरूरत थी। मुझे लगता है यह कुछ ऐसा था, जिसका मैं इंतजार कर रही थी, क्योंकि यह सीरीज उस लड़की की एक बहुत ही अलग, मासूम, युवा और कमजोर परिदृश्य को दर्शाती है।'

नेपोटिज्म से डेब्यू मिलता है सफलता नहीं

करीना कपूर खान अक्सर अलग-अलग मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखती हैं। करीना जो कि खुद एक स्टार किड हैं लेकिन उन्होंने बॉलीवुड नेपोटिज्म के बारे में खुलकर अपनी राय साझा की है। दरअसल, एक्ट्रेस हाल ही में बरखा दत्त के शो वी द वीमेन के एक डिस्कशन में शामिल हुईं। यहां पर उन्होंने अपने प्रिविलेज पोजीशन पर बात की और बताया कि इंडस्ट्री में सर्वाइव करने के लिए कुछ चीजें जरूरी होती हैं। नेपोटिज्म के मुद्दे को एड्रेस करते हुए एक्ट्रेस ने कहा- 'नेपोटिज्म आपको डेब्यू दिलाने में मदद कर सकता है, लेकिन ये लंबे करियर की गारंटी नहीं देता है। ऑडियंस की एक्सेप्टेन्स आपका करियर तय करता है, ना कि आपका फैमिली नेम।' वहीं, राजकपूर के पोता और डाइनिंग विद द कपूर्स के क्रिएटर अदार जैन ने इसी मुद्दे पर बात करते हुए कहा- 'लोग नेपोटिज्म के बारे में बात करते हैं, लेकिन मुझे इससे कोई फायदा नहीं हुआ है। हां, मैं राज कपूर का पोता हूं और करीना व रणबीर कपूर का रिश्तेदार हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं हर साल 50 फिल्मों में काम करूंगा या लगातार ब्रांड पार्टनरशिप और एड हासिल करूंगा। दुर्भाग्य से, इस सेंस में, मैं नेपोटिज्म का प्रोडक्ट नहीं रहा हूं।' करीना की वर्कफ्रंट करें तो उन्हें आखिरी बार साल 2024 में रिलीज हुई फिल्म सिंघम अगेन में देखा गया था। पिछले साल उनकी द बकिंघम मर्डर्स और क्रू जैसी दो और फिल्में भी रिलीज हुई थीं। जल्द ही वो नेटफिलक्स की डॉक्यूमेंट्री डाइनिंग विथ द कपूर्स में दिखाई देंगी। यह डॉक्यूमेंट्री कपूर खानदान की फैमिली बॉन्डिंग और उनके खाने की विरासत को दिखाएगी। एक्ट्रेस साल 2026 में मेघना गुलजार की क्राइम ड्रामा फिल्म दायरा में दिखेंगी।

मनोज बाजपेयी पर बोले जयदीप अहलावत

दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी की अपकमिंग सीरीज द फैमिली मैन का तीसरा सीजन अब रिलीज के लिए तैयार है। ये सीरीज 21 नवंबर को ओटीटी पर दस्तक दे रही है। उससे पहले सीरीज की स्टारकास्ट ने पीटीआई से बात की, जहां एक दूसरे के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। इस सीरीज में इस बार जयदीप अहलावत भी नजर आने वाले हैं तो उन्हें कैसा लगा इस फ्रेंचाइज से जुड़कर, चलिए जानते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा।

मनोज के साथ काम करने पर बोले जयदीप

इंटरव्यू में बात मनोज बाजपेयी के साथ काम करने के अनुभव को लेकर जयदीप ने कहा, मनोज भाई के काम को देखकर बहुत सारे एक्टर्स प्रेरणा ले चुके हैं। उन्होंने बहुत सारा ऐसा काम किया है जहां हर एक परफॉर्मेंस उनकी मास्टरक्लास है। इनको मैंने बताया भी था कि इनका एक डायलॉग है, बहुत लंबा सीन है वो। ये पूरी विधानसभा को संबोधित करते हैं। ये आसान नहीं है क्योंकि बहुत एनर्जी लगती है, लेकिन इन्होंने बहुत आसानी से उसे कर दिया।

मनोज बाजपेयी ने जयदीप पर क्या कहा?

जयदीप के साथ काम करने के अनुभव पर बात करते हुए मनोज बाजपेयी ने कहा, बहुत सारे लोग हम उसी रास्ते में एक दूसरे से सीखते रहते हैं। हमारे बीच गुरु शिष्य वाली कोई बात नहीं है।

द फैमिली मैन सीजन 3 श्रीकांत तिवारी के लिए एक नए और पहले से कहीं बड़े खतरे को लेकर आने वाला है। इस बार मुश्किलें सिर्फ देश पर ही नहीं, बल्कि उसके परिवार तक भी पहुंचने वाली हैं। श्रीकांत को उच्च-स्तरीय मिशनों के बीच अपने घरवालों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी संभालनी होगी। आने वाले सीजन में दो नए और बेहद शक्तिशाली विलेन एंट्री करने वाले हैं- जयदीप अहलावत (रुक्मा) और निमरत कौर। दोनों किरदार श्रीकांत की राह और कठिन बनाते दिखाई देंगे। उनकी वजह से कहानी और गहरी, भावनात्मक और रोमांचक मोड़ लेने वाली है। फैमिली मैन सीजन 3 का ट्रेलर कुछ दिन पहले जारी किए गए द फैमिली मैन सीजन 3 के ट्रेलर में भरपूर एक्शन, सस्पेंस और मज़ेदार संवादों की झलक देखने को मिली। श्रीकांत तिवारी एक बार फिर अपने पुराने अंदाज़ में लौट आए हैं और दर्शकों को धमाकेदार मनोरंजन देने का वादा कर रहे हैं।

मस्ती 4 मेरे लिए टैलेंट दिखाने का अच्छा मौका है

एक्ट्रेस रुही सिंह की फिल्म 'मस्ती 4' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। खास बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि 'मस्ती 4' में प्रोड्यूसर इंद्र कुमार और डायरेक्टर मिलाप जावेरी जैसी टीम के साथ काम करना उनके लिए सपना सच होने जैसा था। यूके में हुई शूटिंग के अनुभव से लेकर कॉमेडी किरदार की तैयारी तक, हर कदम उनके लिए सीखने का मौका था। अपने माता-पिता, खासकर पिता के साथ गहरे रिश्ते को वह अपनी ताकत मानती हैं।

मस्ती 4 आपके लिए बड़ा मौका रहा। कैसे मिला और अनुभव कैसा रहा?
जब फिल्म का ऑफर मिला, तो मैं बहुत खुश हुई क्योंकि इसे इंदु जी (इंद्र कुमार) बना रहे हैं और मिलाप जावेरी डायरेक्टर हैं। स्टार कास्ट भी शानदार है। मुझे लगा यह मेरे टैलेंट दिखाने का अच्छा मौका है। शूटिंग यूके में हुई, और मैंने अपने रोल के लिए खूब तैयारी की। यह अनुभव मेरे लिए बहुत खास रहा।

आपने किरदार के लिए क्या तैयारियां की थीं?
यह एक कॉमेडी फिल्म है, इसलिए मैं चाहती थी कि मेरा अभिनय नेचुरल और दिल से हो। मैंने कई कॉमेडी फिल्मों को देखा और अपनी लाइनों पर खास ध्यान दिया कि मैं उसमें कुछ नया और मजेदार जोड़ सकूं। मेरा मानना है कि अगर आप कॉमेडी में कॉन्फिडेंट और आरामदायक होंगे तो एकदम फनी डायलॉग्स आसानी से आ जाते हैं, और मैंने यही अपने किरदार में लाने की कोशिश की।

आपकी शुरुआत मॉडलिंग और सौंदर्य प्रतियोगिता से हुई। आपने कब सोचा कि इंडस्ट्री में करियर बनाना है? यह ख्याल कहां से आया?
मुझे बचपन से ही यह चाहत थी कि मैं कुछ बड़ा करूं। मैं जयपुर से हूं। बचपन में मैं स्टेज पर आना और लोगों के सामने नजर आना चाहती थी। मैं डांस और दूसरे कॉम्पिटिशन में हमेशा भाग लेती थी। जहां दूसरों को स्टेज पर डर लगता है, मुझे वहां आने में खुशी मिलती थी। मैं हमेशा बाहर रहना और लोगों के सामने दिखना चाहती थी। मुझे हमेशा मजा आता था और मैंने कभी सोचा नहीं कि लोग क्या सोच रहे हैं। पॉजिटिव सोच के साथ बिना किसी सपोर्ट के मेरी मेहनत रंग लाई और आज मेरे पास 'मस्ती 4' जैसी बड़ी फिल्म है।

तो आपने और आगे, जैसे मिस वर्ल्ड या मिस यूनिवर्स में हिस्सा क्यों नहीं लिया?
मैंने तीन बार इंटरनेशनल लेवल पर इंडिया को रिप्रेजेंट किया। मिस मॉडल ऑफ द वर्ल्ड, मिस यूनाइटेड नेशंस चाइना और मियामी में। कई पेजेंट्स कर चुकी हूं, फिर मधुर भंडारकर की फिल्म 'कैलेंडर गर्ल्स' फिल्म में काम किया और सोचा, अब काफी हो गया। मेरे लिए पेजेंट्स का मकसद दुनिया देखना और एक्सपोजर पाना था। जयपुर से बाहर निकलकर अलग-अलग लोगों से मिलना चाहती थी। पहली बार विदेश भी इंडिया को रिप्रेजेंट करने ही गई थी, पापा भी साथ गए थे, जो मेरा सपना था।

मधुर भंडारकर से मुलाकात कैसे हुई थी?
मैं एक ऑडिशन में गई थी, वहीं मेरी मुलाकात मधुर भंडारकर से हुई। मैंने 'मयूरी चौहान' के लिए ऑडिशन दिया और वह मुझे उसी वक्त चुन लिया। उन्होंने कहा, 'हमें मिल गई मयूरी!' फिल्म 'कैलेंडर गर्ल्स' आने के बाद लोग आज भी मुझे मयूरी कहकर याद करते हैं।

फिल्म कैलेंडर गर्ल्स रिलीज हुई तो सबसे प्यारा कॉम्प्लीमेंट कौन सा मिला? किससे मिला?
मेरे पेरेंट्स ने कहा कि मैं स्क्रीन पर बिल्कुल रूही जैसी लग रही थी, जैसे एक्टिंग नहीं की हो। ऑडियंस को भी मेरा काम बहुत पसंद आया। लोग अक्सर मेरी फिल्म की लाइन बोलते थे- 'यह लड़की बहुत आगे जाएगी'यह मुझे सबसे प्यारा कॉम्प्लीमेंट लगा।

आपको क्यों नहीं फिल्में ऑफर हुईं?
क्योंकि वो फिल्म नहीं चली। लेकिन मैंने पूरी मेहनत की थी और मधुर भंडारकर जी जैसे नेशनल अवॉर्ड विनर डायरेक्टर के साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य था। फिल्म का चलना या न चलना किस्मत पर निर्भर करता है, किसी के हाथ में नहीं होता।

मेरी मम्मी मेरी सबसे अच्छी दोस्त और इंस्पिरेशन हैं

मेरे पेरेंट्स का बहुत बड़ा साथ है, खासकर मेरी मम्मी, जो मेरी सबसे अच्छी दोस्त और इंस्पिरेशन हैं। मुझमें एक जिद है कि मैं अपनी मंजिल जरूर पाऊंगी।

स्कूल में लोग कहते हैं कि टॉप पर पहुंचना आसान नहीं होता है, लेकिन मैं मानती हूं कि एक दिन मेरा भी सबसे अच्छा वक्त आएगा।

स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर लगाम कसने की तैयारी, केंद्र सरकार ने भेजे कई प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम लगातार बढ़ने से परेशान उपभोक्ताओं को जल्द ही राहत मिल सकती है। केंद्र सरकार प्रीमियम में अनियंत्रित बढ़ोतरी को रोकने के लिए सीमा तय करने पर विचार कर रही है। इस दिशा में कई प्रस्ताव तैयार किए गए हैं, जिन्हें समीक्षा के लिए भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) को भेजा गया है। सूत्रों के मुताबिक, जीएसटी दरें शून्य होने के बावजूद प्रीमियम तेजी से बढ़ रहे हैं। बढ़ती चिकित्सा लागत और दावा निपटान की असमान व्यवस्था बीमा कंपनियों पर दबाव बना रही है। इसी को देखते हुए सरकार ने बीमा उद्योग, अस्पताल समूहों और इरडा अधिकारियों के साथ व्यापक चर्चा शुरू की है। सरकार का फोकस राष्ट्रीय स्वास्थ्य दावा एक्सचेंज के जरिए दावों की प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाने पर है। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि बीमा कंपनियां हाल ही में जीएसटी दरों में की गई कटौती का वास्तविक लाभ पॉलिसीधारकों तक पहुंचाएं। सरकारी सूत्रों के अनुसार, इरडा एजेंटों को मिलने वाली कमीशन प्रणाली की भी समीक्षा कर सकता है।
फिलहाल यह कमीशन बीमा कंपनियों के प्रबंधन खर्च का हिस्सा होता है। एकल स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के लिए यह सीमा ग्रॉस रिटेन प्रीमियम का 35 फीसदी निर्धारित है। नियमों के अनुसार, नई स्वास्थ्य पॉलिसियों पर एजेंटों को प्रीमियम राशि का 20 फीसदी तक और नवीनीकरण पर 10 फीसदी तक कमीशन मिलता है। इरडा स्वास्थ्य बीमा बाजार में मौजूद कमियों की ओर लगातार इशारा करता रहा है। इनमें अपेक्षा से कम दावों के भुगतान के मामले प्रमुख हैं। इस महीने की शुरुआत में इरडा प्रमुख अजय सेठ ने दोहराया कि नियामक दावा निपटान राशि पर कड़ी निगरानी रखे हुए है और किसी भी अनियमितता पर कार्रवाई की जाएगी। सरकार का मानना है कि बढ़ते प्रीमियम और असमान क्लेम निपटान जैसी समस्याओं पर अब निर्णायक कदम उठाने की जरूरत है, ताकि पॉलिसीधारकों को वास्तविक सुरक्षा और राहत मिल सके।

15 नहीं, 11 साल में होगी कम्यूटेड पेंशन की बहाली 8वें वेतन आयोग में होगा बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था नेशनल काउंसिल (स्टाफ साइड), जॉइंट कंसल्टेटिव मशीनरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक डिटेल पत्र लिखकर 8वें वेतन आयोग के टर्म्स ऑफ रेफरेंस में मौजूद अनियमितताओं और गंभीर कमियों की ओर ध्यान आकर्षित किया है। बता दें कि केंद्र सरकार ने 3 नवंबर 2025 को 8वें वेतन आयोग के टीओआर अधिसूचित किए थे। जनवरी 2025 में आयोग की घोषणा के बाद सरकार ने एनसी जेसीएम स्टाफ साइड से सुझाव भी मांगे थे। मार्च 2025 में परिषद ने एक विस्तृत चार्टर सरकार को सौंपा था, जिसमें कम्यूटेड पेंशन की बहाली अवधि 15 साल से घटाकर 11 साल करने की प्रमुख मांग शामिल थी। पत्र में परिषद ने कहा कि 1 जनवरी 2004 या उसके बाद नियुक्त 26 लाख से अधिक केंद्रीय कर्मचारी (जिनमें रेलवे, रक्षा के सिविल कर्मचारी और अर्धसैनिक बल शामिल हैं) नई पेंशन प्रणाली से बाहर निकलकर पुरानी पेंशन योजना की बहाली की ज़ोरदार मांग कर रहे हैं। ओ पी एस एक बिना अंशदान और गारंटीड पेंशन वाला सुरक्षित ढांचा है, जिसे एनपीएस से बदल दिया गया था। एक दीर्घकालिक, उचित और न्यायोचित मांग है, जो कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति के बाद की आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक सम्मान की चिंता से उपजी है। इस मुद्दे को 8वें वेतन आयोग के ञ्श्क्रमें शामिल किया जाए, ताकि आयोग इसे व्यापक दृष्टिकोण से परखे और सुझाव दे सके।

बोरिया-बिस्तर समेट रहा डॉयचे बैंक

कई अमीरों के हैं खाते

नई दिल्ली, एजेंसी।
जर्मनी का डॉयचे बैंक भारत में अपना रिटेल और वेल्थ मैनेजमेंट बिजनेस समेटने की तैयारी में है। इसे खरीदने की होड़ में देश के दो बड़े प्राइवेट बैंक कोटक महिंद्रा बैंक और फेडरल बैंक शामिल हैं। आठ साल में यह दूसरा मौका है जब डॉयचे बैंक भारत में अपना कारोबार बेचने की फिराक में है। ईटी की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया कि दोनों भारतीय बैंकों ने डॉयचे बैंक के इस पोर्टफोलियो का मूल्यांकन कर लिया है। डॉयचे बैंक बेचना चाहता है। हालांकि यह साफ नहीं है कि इस पोर्टफोलियो में पर्सनल लोन और मॉर्टगेज का कितना-कितना हिस्सा है। बैंक के वेल्थ मैनेजमेंट कारोबार में करीब 25,000 करोड़ रुपये की एसेट अंडर मैनेजमेंट है। मार्च 2025 में खत्म हुए वित्तीय वर्ष में बैंक के रिटेल कारोबार से कुल 2,455 करोड़ रुपये का रेवेन्यू आया था।

भारतीयों बैंकों का क्या फायदा?

ताजा आंकड़ों के अनुसार मार्च 2025 के अंत तक डॉयचे बैंक के रिटेल बैंकिंग में कुल 25,038 करोड़ रुपये की संपत्ति थी। डॉयचे बैंक के सीईओ क्रिश्चियन सीविंग ने वैश्विक स्तर पर बैंक को और अधिक लाभदायक बनाने के लिए एक पुनर्गठन योजना शुरू की है। इसी योजना के तहत डॉयचे बैंक भारत में अपने रिटेल कारोबार से पूरी तरह बाहर निकलना चाहता है। कोटक महिंद्रा बैंक और फेडरल बैंक के प्रवक्ताओं ने ईमेल सवालों का जवाब नहीं दिया।

विदेशी बैंकों की मुश्किल

भारत में विदेशी बैंकों को बड़े स्थानीय बैंकों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। उनके खर्चे ज्यादा होते हैं और वे कीमतों के मामले में कड़ी प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाते। साल 2022 में सिटीबैंक ने अपना क्रेडिट कार्ड और रिटेल कारोबार 1 अरब डॉलर से अधिक में एक्सिस बैंक को बेच दिया था। इसी साल कोटक महिंद्रा बैंक ने स्टैंडर्ड चार्टर्ड से 3,330 करोड़ रुपये का पर्सनल लोन पोर्टफोलियो खरीदा था। एक सूत्र ने बताया कि बातचीत चल रही है, लेकिन हमें मूल्यांकन पर भी ध्यान देना होगा। कोटक और फेडरल बैंक दोनों ही पोर्टफोलियो खरीदकर अपने कारोबार का विस्तार करने के इच्छुक हैं और यह एक ऐसा ही मौका है। यह उन्हें डॉयचे बैंक के वेल्थ मैनेजमेंट कारोबार में भी हिस्सेदारी देगा।

भारत बना सौर ऊर्जा में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत में सौर ऊर्जा का उत्पादन लगातार बढ़ रहा है और देश उत्पादन के मामले में विश्व में तीसरे स्थान पर आ गया है। देश में कुल 125 गीगावॉट सौर ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है। राज्यों में उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा उत्पादन तेजी से बढ़ा है।खास बात है कि राज्य महाराष्ट्र और गुजरात के बाद अब तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

दरअसल, केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर योजना के कारण राज्यों में सौर ऊर्जा का उत्पादन बढ़ रहा है। यूपी में राज्य सरकार इस योजना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए तेजी से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राज्य में सौर ऊर्जा के उत्पादन को लेकर काफी सक्रिय हैं।

राज्य सरकार के अधिकृत आंकड़ों के अनुसार, यूपी में 2,75,936 घरों में रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। इससे उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली का लाभ मिल रहा है। राज्य

में उपभोक्ता रूफटॉप सोलर संयंत्र लगाने के लिए लगातार आवेदन कर रहे हैं।?अगर राष्ट्रीय स्तर पर आवेदनों की संख्या देखें तो यूपी इस मामले में दूसरे स्थान पर है।

आंकड़ों के मुताबिक, 2025 में 31 अक्तूबर तक राज्य में 1,808.09 करोड़ रुपये की सब्सिडी वितरित की जा चुकी है। लखनऊ, वाराणसी, कानपुर नगर और बरेली में तेजी से लोग इस योजना के जरिये रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित कर रहे हैं।

दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में फिर गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में लगातार गिरावट जारी है। गुरुवार, 20 नवंबर को बिटकॉइन का भाव घटकर 92,000 डॉलर के निचले स्तर पर पहुंच गया। इसकी वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा दिसंबर में ब्याज दरें कम करने को लेकर अनिश्चितता है। सुबह 6ः15 बजे के आंकड़ों के अनुसार, बिटकॉइन की कीमत 0.41 प्रतिशत गिरकर 92,140.39 डॉलर हो गई। बिटकॉइन का कुल मार्केट कैप 1.83 ट्रिलियन डॉलर रहा, जबकि पिछले 24 घंटों में इसकी ट्रेडिंग की मात्रा 80.08 बिलियन डॉलर रही। वहीं, दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी ईथर भी 0.28 प्रतिशत गिरकर 3,042 डॉलर पर आ गई। दिसंबर में फेड रिजर्व की ब्याज दर में कटौती की संभावना घटकर केवल 32 प्रतिशत रह गई है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि फेड रिजर्व की बैठक के विवरण से पता चला कि वह महंगाई और रोजगार बाजार को लेकर अभी सतर्क है। इस वजह से निवेशक जोखिम वाली संपत्तियों से दूर भाग रहे हैं। उच्च ब्याज दरों से बिटकॉइन जैसी संपत्तियों का आकर्षण कम हो जाता है, क्योंकि यह निवेश पर कोई नियमित आय (ब्याज) नहीं देती। साथ ही, स्पॉट बिटकॉइन श्वञ्जस्न से लगातार पांचवें दिन भी पैसा निकाला गया, जिससे बाजार पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। बिटकॉइन पिछले कुछ दिनों से लगातार दबाव में है। मंगलवार, 18 नवंबर को यह सात महीने में पहली बार 90,000 डॉलर से नीचे गिर गया था। इस अत्यधिक उतार-चढ़ाव वाली क्रिप्टोकरेंसी ने साल 2025 में अब तक की अपनी सारी बढ़त गंवा दी है और अक्टूबर में 126,000 डॉलर के अपने शिखर से यह लगभग 30 प्रतिशत नीचे है। ईथर भी अगस्त के अपने शिखर (4,955 डॉलर) से लगभग 40 प्रतिशत गिर चुकी है। अक्टूबर की शुरुआत में बिकवाली के बाद से क्रिप्टो बाजार अभी तक स्थिर नहीं हो पाया है, जिसमें 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ था। हालांकि बड़े संस्थागत निवेशक अभी भी टिके हुए हैं, लेकिन छोटे निवेशकों की भागीदारी और सस्ते में खरीदारी की गतिविधियां कम हो गई हैं।

एक शौक जो कारोबार में बदल गया

इंजीनियरिंग की नौकरी भी नहीं रोक पाई, अब 35 करोड़ रुपये का टर्नओवर

नई दिल्ली, एजेंसी।
अगर पैशन को करियर और फिर उसे कारोबार में बदल दिया जाए तो सफलता मिलने के चांस बहुत ज्यादा हो जाते हैं। ऐसा ही कुछ किया हैदराबाद के मुस्तफा अली ने। मुस्तफा विप्रो में सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे। लेकिन उन्हें कारों के बारे में अच्छी जानकारी थी। उन्होंने बाद में अपनी कॉर्पोरेट नौकरी छोड़ दी और 2019 में पुरानी कारों का शोरूम कार डिपो खोला। आज वह इससे करोड़ों रुपये की कमाई कर रहे हैं। मुस्तफा ने जुबली हिल्स, हैदराबाद के एक किराए के 1,800 वर्ग फुट के छोटे से जगह से अपनी उद्यमी यात्रा शुरू की थी। तब उनके पास सिर्फ पांच कारें थीं। आज कार डिपो काफी बढ़ गया है। साल 2024 में उनका टर्नओवर 35 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। अब वे हैदराबाद के पॉश बंजारा हिल्स में एक बड़ी किराए की जगह से काम कर रहे हैं। वे साल 2020 में यहां शिफ्ट हुए थे। उनकी कंपनी कार डिपो

मर्सिडीज, बीएमडब्ल्यू, ऑडी, मारुति, हुंडई, टाटा और महिंद्रा जैसे सभी प्रमुख कार ब्रांडों के साथ काम करती है। मुस्तफा ने साल 2007 में सेंट पैट्रिक हायर सेकेंडरी स्कूल, सिकंदराबाद से 12वीं कक्षा पूरी की। इसके बाद उन्होंने उस्मानिया यूनिवर्सिटी से आईटी में बी.टेक किया और साल 2011 में ग्रेजुएशन किया। एक महीने बाद उन्हें विप्रो में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर 20,000 रुपये प्रति माह के वेतन पर बेंगलुरु में नौकरी मिल गई।

4 लाख रुपये से कार की शुरुआत

मुस्तफा की कंपनी कार डिपो में सबसे छोटी डील एंट्री-लेवल कारों जैसे हुंडई ग्रैंड आई10 की होती है, जिसकी कीमत लगभग 4 लाख रुपये है। वहीं, उनकी सबसे महंगी डीलों में इंपोर्टेड गाड़ियां शामिल हैं, जिनकी कीमत 1 करोड़ रुपये तक हो सकती है। कंपनी हर कार पर लगभग 5 से 10 प्रतिशत का मुनाफा कमाती है। मुस्तफा कहते हैं कि पुरानी कारों का कारोबार एक असंगठित क्षेत्र है। इसमें हर चीज की अच्छी तरह से जांच करनी पड़ती है, जैसे कार की कंडीशन, उसके कागजात, एक्सीडेंट आदि। मुस्तफा अपने बिजनेस के लिए कारें सिर्फ दो राज्यों- आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से खरीदते हैं। अपने गृह राज्य और पड़ोसी राज्य में कई तकनीकी पहलुओं को सत्यापित करना और प्रबंधित करना उनके लिए आसान होता है।

चीजें बेचकर कमीशन से कमाई

34 वर्षीय मुस्तफा का जन्म मिडिल क्लास फैमिली में हुआ। वह कहते हैं कि वह परिवार के साथ श्रीनगर कॉलोनी में एक 2बीएचके घर में रहते थे। उनके पिता के पास एक मारुति 800 थी, जिसे उस समय एक अच्छी गाड़ी माना जाता था। मुस्तफा के परिवार में कोई भी कभी बिजनेस में नहीं था, लेकिन उनमें बचपन से ही बिजनेस का दिमाग था। वे याद करते हैं, मुझे याद है कि मैंने 10 रुपये में एक स्टेंसिल सेट खरीदा था जिसमें एक फ्री पोकेमोन कलेक्टिबल था और उसे अपने दोस्तों को 20 रुपये में बेच दिया था, जिससे मेरी पॉकेट मनी बढ़ जाती थी। बाद में उन्होंने मोबाइल बेचकर भी अच्छी कमीशन बनाई।

तकनीक में प्रवासियों का योगदान असाधारण

वीजा नीति में बदलाव के बीच गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई

नई दिल्ली, एजेंसी।
गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने अमेरिकी तकनीकी क्षेत्र की वृद्धि में प्रवासियों की अहम भूमिका को अहम बताया है। उन्होंने यह बात तब कही है जब एच-1बी वीजा को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी के विकास के इतिहास में प्रवासियों का योगदान असाधारण रहा है। पिचाई ने स्वीकार किया कि एच-1बी वीजा कार्यक्रम में अभी भी कई कमियां हैं, लेकिन प्रशासन इन्हें दूर करने पर काम कर रहा है। उनके अनुसार, मौजूदा ढांचे में बदलाव किए जा रहे हैं ताकि विश्वभर से प्रतिभाशाली पेशवरों को अमेरिका लाने की प्रक्रिया सुचारु बन सके। पिचाई लंबे समय से आव्रजन के समर्थक रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्पित ट्रंप ने एआई की रणनीतिक अहमियत को स्पष्ट रूप से रेंखाकित किया।

टेक लीडर्स और राजनीतिक सत्ता के बीच बढ़ती नजदीकियां

टेक लीडर्स और राजनीतिक सत्ता के बीच बढ़ती नजदीकियों पर उन्होंने कहा कि फिलहाल दुनिया एक असाधारण एआई मोड़ पर है। पिचाई ने कहा कि यह तकनीक अर्थव्यवस्था, राष्ट्रिय सुरक्षा और समाज सभी के लिए बड़े अवसर ला सकती है।

एच-बी वीजा के जरिए ही पिचाई ने कमाया इतना नाम

बता दें कि पिचाई खुद एक अंतरराष्ट्रीय छात्र के रूप में अमेरिका पहुंचे थे और बाद में एच-1बी वीजा के जरिए ही उन्होंने सिलिकॉन वैली में इतना नाम कमाया। ट्रंप ने इस तकनीक को विकसित करने वाली कंपनियों को लाभ पहुंचाने के कई प्रयास किए हैं। पिचाई के अनुसार सरकार के साथ करीबी संवाद इसलिए जरूरी है ताकि यह तकनीक समाज के हित में इस्तेमाल हो सके और इसके संभावित दुरुपयोग को भी रोका जा सके। विदेशी कर्मचारियों के वीजा पर व्हाइट हाउस की सख्ती पर पूछे गए सवाल के जवाब में पिचाई ने कहा कि तकनीकी क्षेत्र के इतिहास में प्रवासियों का योगदान बेहद शानदार रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार इस भूमिका को समझती है और मौजूदा एच-1बी कार्यक्रम में मौजूद कमियों को दूर करने पर काम कर रही है, ताकि दुनिया भर से प्रतिभाशाली लोग अमेरिका आकर योगदान दे सकें। मुझे लगता है कि हम आगे भी निवेश जारी रख पाएंगे।

जो 25 साल की उम्र में हो सकता है वो 35 में नहीं, सीए ने किया नौजवानों को सोचने पर मजबूर

नई दिल्ली, एजेंसी। नौकरी करने वाला लगभग हर शख्स चाहता है कि वह 60 की उम्र में एक अच्छी बड़ी रकम के साथ रिटायर हो जाए। लेकिन अब बदलते समय में रिटायरमेंट की उम्र और रकम भी बदल रही है। काफी लोग 60 की उम्र से पहले रिटायर होना चाहते हैं वह भी बड़े फंड के साथ। लेकिन इसकी तैयारी भी नौकरी लगते ही कर देनी चाहिए। एक सीए ने निवेश से जुड़ी ऐसी की कुछ बातों को बताया है। सीए नितिन कौशिक ने एक पोस्ट में बताया है 25 साल की उम्र में निवेश शुरू करने से जो रिटर्न मिल सकता है, वो 35 की उम्र में निवेश शुरू करने से नहीं मिल सकता है। उन्होंने बताया कि अगर कोई शख्स 35 की उम्र में निवेश करना शुरू करता है तो उसके फंड में एक करोड़ रुपये से ज्यादा का अंतर आ सकता है। उनकी इस बात ने उन नौजवानों को सोचने पर मजबूर कर दिया है जो सोचते हैं कि निवेश के लिए उनके पास अभी बहुत समय है। नितिन कौशिक ने बताया कि रिटायरमेंट का उम्र से ज्यादा लेना-देना नहीं है, बल्कि यह आपकी आदतों पर ज्यादा निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि लोग अक्सर मान लेते हैं कि 60 साल की उम्र रिटायरमेंट के लिए तय है, जैसे यह किस्मत में लिखा हो।

अडानी का नाम जुड़ने के बाद थम नहीं रही जेपी पावर की तेजी, दो दिन में 30 प्रतिशत उछला शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी।
जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड (जेपी पावर) के शेयरों में तेजी का सिलसिला गुरुवार को भी जारी रहा। आज कंपनी का शेयर शुरुआती कारोबार में करीब 12 प्रतिशत बढ़कर 22.80 रुपये पर पहुंच गया। बुधवार को इसमें कारोबार के दौरान करीब 18 फीसदी तेजी आई थी और आखिरकार यह 15 प्रतिशत की बड़ी बढ़त के बाद हुआ। पिछले सत्र में यह 20.31

रुपये पर बंद हुआ था और आज 21.30 रुपये पर खुला। जेपी पावर की सहयोगी कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स के क्रेडिटर्स ने अडानी ग्रुप के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

ब्लूमबर्ग ने सूत्रों के हवाले से बताया कि यह डील करीब 1.5 अरब डॉलर की है। इस समाधान योजना को अडानी एंटरप्राइजेज, उसके प्रमोटर ग्रुप की एंटिटीज, अडानी ग्रुप की अन्य कंपनियों या एक स्पेशल पर्पज व्हीकल के जरिए लागू किया जा सकता है। जयप्रकाश एसोसिएट्स संकट से जूझ रहे जेपी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी है। इसका बिजनेस [illegible] एस्टेट, फर्टिलाइजर्स और हॉस्पिटैलिटी जैसे कई क्षेत्रों में फैला है। तकनीकी तौर पर जेपी पावर वेंचर्स के लिए डेली आरएसआई 74.9 पर है। यह इसे ओवरबॉट जोन में रखता है क्योंकि 70 से ऊपर की रीडिंग आमतौर पर बढ़ी हुई खरीदारी के दबाव का संकेत देती है। इससे पता चलता है कि शेयर में निकट भविष्य में थोड़ी गिरावट या स्थिरता आ सकती है। शेयर वर्तमान में अपने सभी 8 प्रमुख सिंपल मूविंग एवरेज से ऊपर कारोबार कर रहा है, जो मजबूत ऊपर की ओर गति को दर्शाता है। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 27.62 रुपये और न्यूनतम स्तर 12.35 रुपये है।

अच्छे-अच्छों से ज्यादा कमाता है गुड़गांव का ड्राइवर

उद्यमी अंकुर ने ड्राइवर को गिफ्ट में दी स्कूटी

नई दिल्ली, एजेंसी।
अपने समाज में लोग ड्राइवर को आमतौर पर उतना सम्मान नहीं देते, जितना जापान या अन्य देशों में मिलता है। अमेरिका, दुबई, कुवैत आदि देशों में तो ड्राइवर को इतनी सैलेरी मिलती है कि भारत जैसे तीसरी दुनिया के देशों से लोग वहां यह नौकरी करने भी पहुंच जाते हैं। लेकिन दिल्ली एनसीआर के शहर गुड़गांव में एक उद्यमी अंकुर वारिकू अपने ड्राइवर को इतनी सैलरी देते हैं कि कोई भी व्यक्ति यह नौकरी कर ले। यही नहीं, उन्हें सैलरी के अलावा ढेरों सुविधाएं भी मिलती है। साथ में हर साल 11 प्रतिशत की सैलेरी हाइक पक्की!

गुड़गांव के एक मशहूर उद्यमी और कंटेंट क्रिएटर हैं अंकुर वारिकू। इन्होंने हाल ही में एक खुलासा किया है जिसने सबको हैरान कर दिया है। उन्होंने बताया कि उनके ड्राइवर, जिनका नाम है दयानंद भईया, हर महीने 50,000 से ज़्यादा कमाते हैं। यह रकम आमतौर पर इस तरह की नौकरियों के लिए मिलने वाली

सैलरी से काफी ज़्यादा है। इसके अलावा उन्हें हेल्थ इंश्योरेंस की सुविधा और ढेरों पर्क भी मिलते हैं। इस दिवाली तो उन्हें गिफ्ट में ब्रांड न्यू स्कूटी मिली है।

अंकुर वारिकू ने यह बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्वीटर) पर यह बात साझा की। उन्होंने बताया कि दयानंद भईया को हर साल 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी मिलती है। इतना ही नहीं, उन्हें परिवार का सदस्य माना जाता है। उनके पास घर की चाबियां भी हैं और उन्हें परिवार के एटीएम का पिन भी पता है। दयानंद भईया की हालिया सैलरी बढ़ोतरी के बाद, उनकी महीने का वेतन 53,350 रुपये हो गया है। उनके इस ट्वीट को गुरुवार की सुबह छह बजे तक 51.48 लाख से भी ज्यादा व्यूज मिल चुके थे।

आंख मूंद कर भरोसा करते हैं

अंकुर वारिकू ने विस्तार से बताया, वह हमारे बच्चों को क्लास तक छोड़ते हैं, घर की डुप्लीकेट चाबियां रखते हैं, हमारे एटीएम का पिन जानते हैं, वो सारे ज़रूरी काम संभालते हैं जिनमें हमारी मौजूदगी की ज़रूरत नहीं होती। वह मुझे अपने जैसा मानते हैं (परिवार के सभी सदस्यों को तुम कहकर बुलाते हैं, आप नहीं)। वह ऐसे इंसान हैं जिन पर मैं अपने और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए आंख मूंदकर भरोसा करता हूँ। अंकुर वारिकू की कंपनियों ने साल 2024 में कुल 16.84 करोड़ का रेवेन्यू जेनरेट किया है।

दिवाली गिफ्ट में नई स्कूटी

दयानंद भईया को सिर्फ अच्छी सैलेरी ही नहीं नहीं मिलती है। बल्कि अंकुर वारिकू के ड्राइवर को और भी कई फायदे मिलते हैं। उनकी सालाना कमाई 6 लाख रुपये से ज़्यादा है, जो कई फील्ड्स में शुरुआती नौकरी के लिए मिलने वाली सैलरी से भी ज़्यादा है। इसके अलावा, दयानंद भईया और उनके परिवार जनों को कॉरपोरेट इम्पलायीज की तरह हेल्थ इंश्योरेंस का लाभ भी मिलता है। दिवाली पर उन्हें एक महीने की पगार के बराबर बोनस भी दिया जाता है। दिवाली में सामान्य कर्मचारी की तरह उन्हें बढ़िया गिफ्ट भी मिलता है। इस दिवाली तो उन्हें एक ब्रांड न्यू स्कूटी भी गिफ्ट में मिली है।

ड्राईवर नहीं परिवार का अहम हिस्सा : अंकुर वारिकू ने एक्स पर बताया कि दयानंद भईया ने 13 साल पहले उनके साथ बतौर ड्राइवर काम करना शुरू किया था। तब उनकी सैलरी 15,000 रुपये प्रति माह थी। तब से लेकर अब तक, वह परिवार का एक अहम हिस्सा बन गए हैं और उन्होंने अपनी ज़िंदगी भी बनाई है। उन्होंने यह भी बताया कि दयानंद भईया सिर्फ ड्राइवर नहीं हैं, बल्कि परिवार के लिए एक भरोसेमंद साथी हैं।

क्या ऑस्ट्रेलिया में 15 साल बाद एशेज जीत पाएगा इंग्लैंड

- आज पर्थ स्टेडियम में पहला मैच, इंग्लिश टीम यहां पहली बार टेस्ट खेल रही
- जैक वेदराल्ड और ब्रेंडन डॉगेट डेब्यू करेंगे

पर्थ (एजेंसी)। क्रिकेट की सबसे पुरानी सीरीज द एशेज कल से शुरू हो रही है। पहला मुकाबला पर्थ स्टेडियम में भारतीय समयानुसार सुबह 7.50 बजे से खेला जाएगा। इंग्लैंड ने 15 साल से ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। टीम ने आखिरी बार 2010-11 के दौरे पर कंगारुओं को उसी के घर में 3-1 से हराया था। लेकिन, यह चुनौती आसान नहीं है। इंग्लिश टीम पहली बार पर्थ स्टेडियम में कोई टेस्ट खेलने जा रही है। इतना ही नहीं, ऑस्ट्रेलियाई टीम पिछले 10 साल से इस सीरीज को हारी भी नहीं है। टीम को आखिरी हार 2015 में इंग्लैंड दौरे पर मिली थी। तब इंग्लिश टीम ने 3-2 से सीरीज अपने नाम की थी। इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया में पिछले 15 टेस्ट से कोई जीत नहीं मिली। इस दौरान टीम ने 13 मुकाबले गंवाए और 2 ड्रॉ खेले। इंग्लिश टीम को आखिरी जीत 2011 में ही मिली थी।

1882 में शुरू हुई थी द एशेज

दुनिया की सबसे पुरानी सीरीज द एशेज की शुरुआत 1882 में हुई थी। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड 1877 से टेस्ट सीरीज खेल रहे हैं। दुनिया का पहला टेस्ट मैच भी इन्हीं देशों के बीच खेला गया था। यह मुकाबला 15 से 19 मार्च 1877 को मेलबर्न में खेला गया। 5 साल बाद इसका नाम द एशेज रखा गया।

कंगारुओं ने 34, इंग्लैंड ने 32 सीरीज जीतीं

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच हुई एशेज में ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी है। अब तक दोनों देशों के बीच 73 सीरीज खेली गईं। ऑस्ट्रेलिया ने 34 सीरीज जीतीं। वहीं, इंग्लैंड ने 32 सीरीज अपने नाम कीं। बाकी 7 सीरीज ड्रॉ रहीं।

पर्थ टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग-इलेवन

स्टीव स्मिथ (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, जेक वेदराल्ड, मार्नस लाबुशेन, ट्रैविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), मिचेल स्टार्क, नाथन लायन, ब्रेंडन डॉगेट और स्कॉट बोलैंड।

शुभमन गिल दूसरे टेस्ट से बाहर हो सकते हैं

मेडिकल टीम ने अनफिट बताया, गर्दन में खिंचाव के कारण पहला मैच बीच में छोड़ा था

गुवाहाटी (एजेंसी)। टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल साउथ अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से बाहर हो सकते हैं। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उनकी गैर मौजूदगी में ऋषभ पंत कप्तानी करेंगे। यह निर्णय भारत के लिए एक बड़ा नुकसान माना जा रहा है, क्योंकि टीम इंडिया कोलकाता में पहला टेस्ट हार चुकी है। ऐसे में 22 से 26 नवंबर के बीच गुवाहाटी में खेला जाने वाला दूसरा टेस्ट बेहद महत्वपूर्ण था। गिल को कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन, 15 नवंबर को गर्दन में खिंचाव हो गया था। दिन का खेल समाप्त होने के बाद उन्हें जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों की निगरानी में एक दिन रखने के बाद उन्हें 16 नवंबर को डिस्चार्ज कर दिया गया था।

कोलकाता टेस्ट में भारत की पहली पारी के दौरान रिटायर हुए

शनिवार को गिल कोलकाता टेस्ट की पहली पारी में वॉशिंगटन सुंदर के आउट होने के बाद बैटिंग करने उतरे थे। उन्होंने साइमन हार्मर की पहली दो बॉल पर कोई रन नहीं बनाया। इसके बाद तीसरी बॉल पर चौका लगाकर अपना खाता खोला, इसी दौरान स्वीप खेलने के प्रयास में उनकी गर्दन में परेशानी हुई। इसके बाद फिजियो आए और गिल उनके साथ मैदान से बाहर चले गए। वे भारतीय पारी में महज 4 रन ही बना सके। उन्हें स्टेडियम से एक निजी अस्पताल में स्कैन के लिए ले जाया गया। इस दौरान उन्हें गर्दन में ब्रेस पहने हुए देखा गया। ईडन से निकलते समय उनके साथ टीम के डॉक्टर और संपर्क अधिकारी भी थे।

बीसीसीआई ने गिल की चोट पर अपडेट दिया था

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को जारी हेल्थ अपडेट में कहा था कि शुभमन गिल तेजी से रिकवर कर रहे हैं। वे 19 नवंबर को टीम के साथ गुवाहाटी जाएंगे और मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखेगी। दूसरे टेस्ट में उनकी उपलब्धता को लेकर अंतिम फैसला बाद में लिया जाएगा।

रणजी ट्रॉफी-रिंकू सिंह की करियर बेस्ट पारी, यूपी-तमिलनाडु मैच ड्रॉ

- नालकंडे के 5 विकेट से जीता विदर्भ, आंध्रा और ओडिशा भी जीते

कोयंबटूर (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर रिंकू सिंह ने बुधवार को रणजी ट्रॉफी में अपने फर्स्ट क्लास करियर की बेस्ट 176 रन की पारी खेली। इस पारी के दम पर उत्तर प्रदेश ने ग्रुप ए मैच में तमिलनाडु के खिलाफ पहली पारी के आधार पर बढ़त हासिल करके तीन अंक हासिल कर लिए हैं। जबकि तमिलनाडु को एक अंक मिला। इधर, नागपुर में पूर्व चैंपियन विदर्भ ने तेज गेंदबाज दर्शन नालकंडे के दम पर बड़ौदा को 144 रन से हराया। इस जीत से विदर्भ छह अंक मिले। इन अंकों के सहारे विदर्भ ने ग्रुप ए की पॉइंट्स टेबल टॉप पर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। अन्य मुकाबलों में झारखंड और ओडिशा ने अपने-अपने मुकाबले जीत लिए।

रिंकू की पारी ने यूपी को 5 रन की बढ़त दिलाई - कोयंबटूर में तमिलनाडु के पहली पारी के 455 रन के जवाब में उत्तर प्रदेश ने 460 रन बनाकर 5 रन की बढ़त ली। उत्तर प्रदेश को बढ़त दिलाने में रिंकू की अहम भूमिका रही। रिंकू ने 247 गेंद की अपनी पारी में 17 चौके और छह छक्के मारे। निचले क्रम में शिवम मावी ने भी 54 रन की उपयोगी पारी खेली। भारत की राष्ट्रीय टीम जब स्वदेश में टेस्ट मैच में स्पिनरों का सामना करने में जूझ रही है, तब रिंकू ने इस पारी से टीम में जगह बनाने की अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है।

नालकंडे ने 5 विकेट झटके, विदर्भ 144 रन से जीता - नागपुर में पूर्व चैंपियन विदर्भ ने तेज गेंदबाज दर्शन नालकंडे (15 रन पर पांच विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी से बड़ौदा को 144 रन से हराया। विदर्भ के 276 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बड़ौदा ने मंगलवार को 73 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। आखिरकार टीम 50.4 ओवर में 131 रन पर सिमट गई। विदर्भ के पहली पारी के 169 रन के जवाब में बड़ौदा ने 166 रन बनाए थे। विदर्भ की जीत में नालकंडे की अहम भूमिका रही जिन्होंने अपने प्रथम श्रेणी पदार्पण के सात साल बाद पहली बार पारी में पांच विकेट चटकाए। बड़ौदा की ओर से दूसरी पारी में सुकीर्त पांडे 37 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे।

आंध्र प्रदेश ने झारखंड को पारी और 81 रन से हराया - जमशेदपुर में आंध्र प्रदेश ने झारखंड को पारी और 81 रन से हराया। झारखंड के 328 रन के जवाब में आंध्र ने पहली पारी छह विकेट पर 567 रन बनाकर घोषित की। झारखंड की टीम दूसरी पारी में 158 रन पर सिमट गई। झारखंड को पारी के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। आंध्र की ओर से सौरभ कुमार ने 47 रन पर पांच, जबकि त्रिपुराना विजय ने 39 रन पर तीन विकेट चटकाए। आंध्र को इस जीत से बोनस अंक सहित सात अंक मिले।

भुवनेश्वर में ओडिशा ने नगालैंड को हराया - भुवनेश्वर में ओडिशा ने नगालैंड को 299 रन से हराया। ओडिशा के 465 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नगालैंड की टीम गोविंदा पोद्दार (69 रन पर पांच विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 165 रन पर सिमट गई। नगालैंड की ओर से देगा निश्चल ने सर्वाधिक 52 रन बनाए। ओडिशा को जीत दर्ज करने के लिए छह अंक मिले।

पूर्व कप्तान राशिद लतीफ से एनसीसीआईए की पूछताछ

नेतृत्व बदलाव पर की गई आलोचना पर इस्लामाबाद, लाहौर में बयान दर्ज करवाया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की नेशनल साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनसीसीआईए) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और उसके चेयरमैन मोहसिन नकवी पर की गई टिप्पणियों के चलते पूर्व कप्तान राशिद लतीफ के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

एनसीसीआईए के प्रवक्ता नजीबुल्लाह हसन ने पुष्टि की है कि राशिद लतीफ ने इस्लामाबाद और लाहौर में चल रही दो अलग-अलग पूछताछ में अपना बयान दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि यह जांच पीसीबी के सीनियर लीगल मैनेजर सैयद अली नकवी की शिकायत के आधार पर शुरू की गई है।

राशिद ने बार-बार कप्तान चेंज करने की आलोचना की थी - राशिद लतीफ ने पाकिस्तान टीम में बार-बार हो रहे नेतृत्व बदलाव की आलोचना की थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था, शाहीन शाह अफरीदी को वनडे टीम का कप्तान बनाया गया है। 'फूट डालो और राज करो' की नीति–धार्मिक, जातीय, क्रिकेट टीमों या वर्गभेद जैसे विभाजन पैदा कर सत्ता हासिल करने और बनाए रखने की एक राजनीतिक रणनीति है।लतीफ ने यह भी कहा था कि पाकिस्तान एकमात्र ऐसा देश है जो एक अच्छा कप्तान भी नहीं दे पाता।

1992 से 2003 तक पाकिस्तान के लिए खेले - राशिद लतीफ ने पाकिस्तान के लिए 37 टेस्ट और 166 वनडे मैच खेले हैं। उन्होंने टेस्ट में 1381 और वनडे में 1709 रन बनाए। 1992 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले लतीफ ने 2003 में पाकिस्तान के लिए अपना आखिरी मैच खेला था।

वसीम अकरम की भी एनसीसीआईए शिकायत - इस बीच, दिग्गज वसीम अकरम के खिलाफ एक सट्टेबाजी ऐप को बढ़ावा देने के आरोप में एनसीसीआईए में एक और आवेदन दायर किया गया है। हालांकि, एनसीसीआईए ने अभी तक पूर्व कप्तान को नोटिस जारी नहीं किया है।

हरियाणा के किक बॉक्सर और उनकी पत्नी पर एफआईआर

- साहिल-अनु ने अपनी शादी में स्टेज से हवाई फायर किए; नोटों की गड्डियां भी उड़ाईं

रोहतक (एजेंसी)। हरियाणा के किक बॉक्सर साहिल भारद्वाज को अपनी शादी में स्टेज से हवाई फायरिंग करना महंगा पड़ गया। मेरठ पुलिस ने साहिल और उनकी नवविवाहित पत्नी अनु रानी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अनु इंटरनेशनल जेवलिन थ्रोअर है। साहिल और अनु की मंगलवार रात को मेरठ के एक मैरिज पैलेस में शादी हुई। यहां साहिल ने स्टेज पर अनु का हाथ पकड़कर राइफल से 2 बार हवाई फायर किए। इसके अलावा, वरमाला के दौरान 10-10 के करंसी नोटों की दो गड्डियां अनु के ऊपर से फेरकर उड़ाईं। आज रोहतक में दोनों की रिसेप्शन पार्टी है। मेरठ के एसएसपी विपिन ताडा ने बताया कि सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो के आधार पर साहिल और अनु के खिलाफ सरधना थाने में आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। साहिल मूल रूप से रोहतक जिले के सांपला कस्बे के रहने वाले हैं और इस समय रोहतक शहर की जनता कॉलोनी में रहते हैं। साहिल किक बॉक्सर हैं और 4 बार के नेशनल चैंपियन हैं। उसने जुलाई-2025 में छत्तीसगढ़ में हुई नेशनल चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।वहीं साहिल की पत्नी और दो बार की ओलंपियन अनु ने 2022 के कॉमनवेल्थ गेम्स में जेवलिन में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। अनु कॉमनवेल्थ गेम्स में देश के लिए मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन बैडमिंटन

शेट्टी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, प्रणय बाहर

सिडनी (एजेंसी)। भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी आस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में पहुंच गए जबकि सीनियर खिलाड़ी एच एस प्रणय बृहस्पतिवार को हारकर बाहर हो गए। शीर्ष वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी चीनी ताइपै के सू चिंग हेंग और वु गुआन शुन को 21.18, 21.11 से हराकर अंतिम आठ में पहुंच गए। योनेक्स अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के विजेता शेट्टी ने चौथी वरीयता प्राप्त जापान के कोडाइ नराओका को 21.17, 21.16 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना हमवतन लक्ष्य सेन से होगा। वहीं इस साल प्री क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं जा सके प्रणय को आठवीं वरीयता प्राप्त पूर्व जूनियर विश्व चैम्पियन इंडोनेशिया फरहान अलवी ने 21.19, 21.10 से हराया। सात्विक और विराग की जोड़ी का सामना अब पांचवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी से होगा।

अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में चुने गए 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर

लंदन (एजेंसी)। स्विट्जरलैंड के स्टार टेनिस खिलाड़ी और 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर को अंतरराष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में चुना गया है। रोड आइलैंड स्थित हॉल ऑफ फेम ने यह जानकारी दी।

टीवी प्रस्तोता और पत्रकार तथा पूर्व खिलाड़ी मैरी कैरिलो को योगदानकर्ता श्रेणी में चुना गया। इन्हें हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए समारोह अगस्त 2026 में होगा। फेडरर ने 103

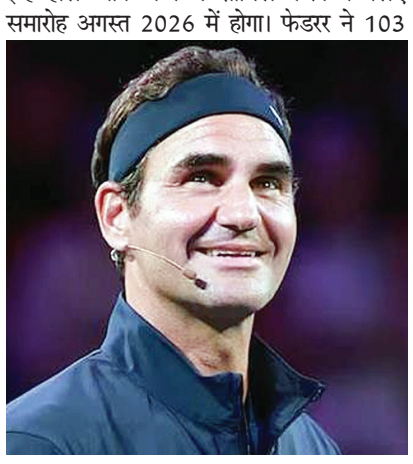

टूर-स्तरीय खिताब, 20 बड़ी ट्रॉफियां और 28 एटीपी मास्टर्स 1000 क्राउन जीते है। 43 साल के फेडरर के नाम फरवरी 2004 से अगस्त 2008 तक 237 हफ्तों तक लगातार वर्ल्ड नंबर वन रहने का रिकॉर्ड है।

फेडरर पांच बार एटीपी ईयर-एंड नंबर वन रहे, पीआईएफ सम्मान से सम्मानित हुए, 13 बार स्टीफन एडबर्ग स्पोर्ट्समैनशिप अवॉर्ड मिला और 2003-21 तक लगातार 19 सालों तक एटीपी फैंस के पसंदीदा चुने गए। अपनी इस उपलब्धि पर फेडरर ने कहा, अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होना और खेल के इतने सारे महान चैंपियन के साथ खड़ा होना बहुत बड़ा सम्मान है।

उन्होंने कहा, अपने पूरे करियर में मैंने हमेशा टेनिस के इतिहास और मुझसे पहले आए लोगों के उदाहरण को महत्व दिया है। स्विस टेनिस में, अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों से घिरे हुए यह खबर सुनना बहुत खास था वह जगह जहां मेरी अपनी यात्रा पहली बार शुरू हुई थी। खेल और मेरे साथियों से इस तरह पहचान मिलना बहुत अच्छा लग रहा है। मैं अगले अगस्त में टेनिस कम्युनिटी के साथ इस खास पल को मनाने के लिए न्यूपोर्ट आने का इंतजार कर रहा हूं।

20 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी फेडरर 'क्लास ऑफ 2026' के लिए समर्थन प्राप्त करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। फेडरर ने राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच जैसे साथी महान खिलाड़ियों की मौजूदगी वाले युग को 'टेनिस के लिए स्वर्णिम समय' माना।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप में आज

भारत ए को बांग्लादेश ए के खिलाफ सेमीफाइनल में शीर्षक्रम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

दोहा (एजेंसी)। भारत ए को बांग्लादेश ए के खिलाफ राइजिंग स्टार्स एशिया कप सेमीफाइनल में अपने शीर्षक्रम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी ताकि वैभव सूर्यवंशी पर अकेले बोझ नहीं पड़े। इस टी20 टूर्नामेंट में 201 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने सूर्यवंशी एक शतक और 45 रन की पारी खेल चुके हैं। बाकी बल्लेबाज हालांकि अभी तक अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके हैं जिनमे कप्तान जितेश शर्मा, नमन धीर, प्रियांश आर्य और नेहाल वढेरा शामिल हैं।

भारतीय टीम बांग्लादेश को हलके में लेने की गलती नहीं करेगी जिसने अफगानिस्तान ए टीम को 78 रन पर समेट दिया था। इसके अलावा लीग मैच में श्रीलंका ए की मजबूत टीम को आखिरी ओवर तक खेलने पर मजबूर किया। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज रिपोन मंडल और हाल ही में सीनियर टी20 टीम में शामिल हुए बायें हाथ के स्पिनर रकीबुल हसन से भारतीय बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा।

भारत के गेंदबाजों ने भी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है और बायें हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह तीन मैचों में पांच विकेट ले चुके हैं। बायें हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे और लेग स्पिनर सुयश शर्मा ने तीन तीन विकेट लेकर उनका बखूबी साथ दिया है। दुबे ने ओमान के खिलाफ अर्धशतक भी लगाया था।

दुबे ने बीसीसीआई टीवी से कहा, 'मैने सलामी बल्लेबाज के तौर पर शुरूआत की थी और मुझे पता था कि मैं अच्छी बल्लेबाजी कर सकता हूं। मैं ओमान के खिलाफ मिले इस मौके को भुनाना चाहता था।

टीमें

भारत ए - जितेश शर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, नेहाल वढेरा, नमन धीर, सूर्यांश शेडगे, रमनदीप सिंह, हर्ष दुबे, आशुतोष शर्मा, यश ठाकुर, गुरजपनीत सिंह, विजय कुमार विशाख, युधवीर सिंह चरक, अभिषेक पोरेल, सुयश शर्मा

बांग्लादेश ए - अकबर अली (कप्तान) मोहम्मद हबीबुर रहमान, यासिर अली, जीशान आलम, आरिफुल इस्लाम, रकीबुल हसन, महीदुन एंकोन, तूफेल अहमद, मृत्युंजय चौधरी, मेहराब हसन, रिपोन मंडल, अबु हिदार रोनी, मोहम्मद शादिन इस्लाम, जवाद अबरार, मोहम्मद अब्दुल गफ्फार।

तारीख और समय - 21 नवम्बर दोपहर 3 बजे।

संक्षिप्त समाचार

पाक, चीन में पढ़ने वाले डॉक्टरों का डेटा मांग रहीं एजेंसियां

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के लाल किले के पास हुए आत्मघाती बम धमाके में 12 लोग मारे गए थे। जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि पुलवामा-फरीदाबाद टेरर मॉड्यूल के ज्यादातर सदस्य डॉक्टर हैं। इनमें से कई ने विदेश से एमबीबीएस और पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री ली है। अब जांच एजेंसियां विदेशों से मेडिकल की पढ़ाई कर के आए डॉक्टरों की

जानकारी जुटा रही हैं। सीबीआई, दिल्ली पुलिस और एनआईए ने दिल्ली-एनसीआर के सभी बड़े-छोटे अस्पतालों और क्लिनिकों को पत्र भेजा है। पत्र में पाकिस्तान, बांग्लादेश, चीन और यूएई से मेडिकल डिग्री हासिल करने वाले डॉक्टरों की पूरी जानकारी मांगी गई है। इसमें नाम, पता, मोबाइल नंबर, ज्वाइनिंग डेट, डिग्री की कॉपी और मौजूदा पोस्टिंग का ब्यौरा शामिल है। एक वरिष्ठ दिल्ली पुलिस अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, हम संदिग्धों के पुराने सहपाठियों, दोस्तों और संपर्कों की पहचान करना चाहते हैं। मॉड्यूल के कथित सरगना डॉ. उमर उन नबी श्रीनगर के सरकारी मेडिकल कॉलेज से पढ़े हैं, लेकिन बाकी सदस्यों के विदेशी कनेक्शन संदेह पैदा कर रहे हैं। इसलिए इन चार देशों से पढ़े सभी डॉक्टरों की जांच होगी। उनकी ट्रैवल हिस्ट्री, बैंक खाते और क्रिमिनल रिकॉर्ड खंगाले जाएंगे। कई बड़े अस्पतालों ने एजेंसियों को जवाब दिया है कि पूरी लिस्ट तो दिल्ली मेडिकल काउंसिल के पास होती है, हमसे क्यों मांग रहे हो? डॉक्टरों के सदस्यों का कहना है कि पाकिस्तान और बांग्लादेश से दिल्ली के बहुत कम डॉक्टर पढ़ने जाते हैं, लेकिन चीन और यूएई से हजारों की संख्या में आते हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने कहा, हमें आज नोटिस मिला है। हम जल्द ही ऐसे सभी डॉक्टरों की रिपोर्ट तैयार करके एजेंसियों को सौंप देंगे। अधिकारियों ने साफ किया है कि यह जांच सिर्फ सुरक्षा के लिहाज से है। हर विदेशी डिग्री वाले डॉक्टर को आतंकवादी नहीं माना जा रहा, लेकिन मौजूदा सबूतों ने सख्त रुख अपनाने पर मजबूर कर दिया है।

दिल्ली में 63 करोड़ से बनी पार्किंग बनी शो-पीस, दो महीने से ताला लगा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पॉश इलाके ग्रेटर कैलाश-1 के एम-ब्लॉक मार्केट में बनी ऑटोमेटेड मल्टी-लेवल पार्किंग पिछले दो महीनों से बंद पड़ी है। 27 सितंबर को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसे धूमधाम से उद्घाटन किया था, लेकिन आज तक एक भी गाड़ी अंदर नहीं जा सकी। हमारे सहयोगी हिंदुस्तान टाइम्स की टीम ने मौके पर जाकर देखा कि पार्किंग के मुख्य गेट और एग्जिट दोनों तरफ बड़े पेड़ खड़े हैं। इन पेड़ों की वजह से गाड़ियां अंदर-बाहर नहीं हो सकतीं। पूरी बिल्डिंग खाली और सुनसान पड़ी है। यह पार्किंग एक साथ 400 गाड़ियां खड़ी कर सकती है। इलाके के व्यापारियों को उम्मीद थी कि पार्किंग समस्या काफी हद तक खत्म हो जाएगी। अब अतिरिक्त गाड़ियां मुख्य सड़क पर खड़ी हो रही हैं, जिससे जाम लग रहा है और दुकानों का कारोबार प्रभावित हो रहा है। वन विभाग का अड़ंगा, एमसीडी का चेक पेंडिंग एम-ब्लॉक मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र शारदा ने बताया, 'वन विभाग ने पेड़ काटने की अनुमति नहीं दी है। वजह यह है कि एमसीडी ने कंपनसेटरी प्लांटेशन के लिए सिक्योरिटी डिपॉजिट अभी तक जमा नहीं किया।' वन विभाग के एक अधिकारी ने कहा, 'डिपॉजिट की प्रक्रिया चल रही है। एमसीडी ने वादा किया है कि कुछ दिनों में राशि जमा कर दी जाएगी। इसके बाद तुरंत अनुमति दे दी जाएगी।' राजेंद्र शारदा ने बताया कि पेड़ हटने के बाद भी फायर डिपार्टमेंट से एनओसी लेना होगा। इसमें भी कई हफ्ते लग सकते हैं। उनका कहना है कि विभागों के बीच तालमेल की कमी की वजह से पूरी तरह तैयार पार्किंग बेकार पड़ी है। सड़क पर लगने वाले जाम की वजह से ग्राहक गाड़ी घुमाकर चले जाते हैं।

देश के टॉप प्रदूषित शहरों में हैं एनसीआर के कई इलाके

दिल्ली का शाम 4 बजे का एक्यूआई 392 था

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के साथ एनसीआर के शहर भी इस जानलेवा पलूशन से परेशान हैं। डॉक्टर 6 महीने के लिए दिल्ली छोड़ने को कह चुके हैं और एम्स हेल्थ इमरजेंसी जैसे हालात की बात की है। इस बीच भारत के टॉप पलूशन वाले शहरों की लिस्ट में दिल्ली नहीं है। जी हां आप चौंक सकते हैं पर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, इस लिस्ट में टॉप पर है, इसके बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा का नंबर आता है। दिल्ली का शाम 4 बजे का एक्यूआई 392 था, जो बहुत खराब श्रेणी में रहा और गंभीर स्तर से सिर्फ नौ अंक कम था।

टॉप प्रदूषित शहरों की लिस्ट में दिल्ली के अलावा गुरुग्राम और फरीदाबाद भी उस लिस्ट में नीचे हैं। गुरुग्राम और फरीदाबाद खराब श्रेणी में थे, जिनका एक्यूआई क्रमशः 300 और 265 दर्ज किया गया। बुधवार को भारत के 10 सबसे प्रदूषित शहर-एनसीआर के ही थे, जो इस बात को रेखांकित करता है शीर्ष तीन शहरों के बाद, हापुड़, रोहतक, मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और भिवाड़ी का नंबर था। 11 नवंबर से लगातार नौ दिनों तक सीपीसीबी के दैनिक बुलेटिन में पीएम2.5 ही एकमात्र प्रमुख प्रदूषक रहा है। विशेषज्ञों ने इसके लिए वाहनों से निकलने वाले धुएं (उत्सर्जन), औद्योगिक दहन (जलाने) और अवैध कचरा जलाने के मिश्रण को जिम्मेदार ठहराया है। सीपीसीबी के समीर ऐप के डेटा से पता चला कि नवंबर

में 19 दिनों तक पीएम2.5 प्राथमिक प्रदूषक बना रहा। पीएम10 सात दिन और सीओ (कार्बन मोनोऑक्साइड) दो दिन तक हावी रहा। तुलना में, अक्टूबर में पीएम2.5 22 दिन, पीएम10 24 दिन, सीओ चार दिन और सल्फर डाइऑक्साइड एक दिन तक हावी रहा था। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर के विश्लेषक डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि सर्दियों में मेट्रो शहरों में कणों के कुल भार में पीएम2.5 की हिस्सेदारी 40 से 60 प्रतिशत तक होती है और यह पीएम10 से कहीं अधिक जहरीला होता है। उन्होंने कहा, दिल्ली के करीब होने के कारण, गुरुग्राम में वायु गुणवत्ता का स्तर, विशेष रूप से पीएम2.5 की सघनता काफी अधिक बनी रहती है, खासकर शाम और रात के समय जब ज्यादातर अवैध तरीके से कचरा जलाया जाता है। मानेसर नगर निगम ने औद्योगिक कचरा जलाने के कई हॉटस्पॉट की पहचान की है। एमसीएम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हमें कई सेक्टरों, जैसे 79, 82, 83, 6 और आईएमटी के पास, [illegible] में अनधिकृत औद्योगिक कचरा जलाने की शिकायतें मिली हैं।

गेट पर पेड़ों का पहरा

63 करोड़ से बनी पार्किंग बनी शो-पीस, दो महीने से ताला लगा

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के पॉश इलाके ग्रेटर कैलाश-1 के एम-ब्लॉक मार्केट में बनी ऑटोमेटेड मल्टी-लेवल पार्किंग पिछले दो महीनों से बंद पड़ी है। 27 सितंबर को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसे धूमधाम से उद्घाटन किया था, लेकिन आज तक एक भी गाड़ी अंदर नहीं जा सकी।

मौके पर जाकर देखा कि पार्किंग के मुख्य गेट और एग्जिट दोनों तरफ बड़े पेड़ खड़े हैं। इन पेड़ों की वजह से गाड़ियां अंदर-बाहर नहीं हो सकतीं। पूरी बिल्डिंग खाली और सुनसान पड़ी है।

400 गाड़ियों की क्षमता, सड़क पर डबल पार्किंग: यह पार्किंग एक साथ 400 गाड़ियां खड़ी कर सकती है। इलाके के व्यापारियों को उम्मीद थी कि पार्किंग समस्या काफी हद तक खत्म हो जाएगी। अब अतिरिक्त गाड़ियां मुख्य सड़क पर खड़ी हो रही हैं, जिससे जाम लग रहा है और दुकानों का कारोबार प्रभावित हो रहा है।

एम-ब्लॉक मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र शारदा ने बताया, वन विभाग ने पेड़ काटने की अनुमति नहीं दी है। वजह यह है कि एमसीडी ने कंपनसेटरी प्लांटेशन के लिए सिक्योरिटी डिपॉजिट अभी तक जमा नहीं किया। वन विभाग के एक अधिकारी ने कहा, डिपॉजिट की प्रक्रिया चल रही है। एमसीडी ने वादा किया है कि कुछ दिनों में राशि जमा कर दी जाएगी। इसके बाद तुरंत अनुमति दे दी जाएगी। फायर डिपार्टमेंट का एनओसी भी बाकी राजेंद्र शारदा ने बताया कि पेड़ हटाने के बाद भी फायर डिपार्टमेंट से एनओसी लेना होगा। इसमें भी कई हफ्ते लग सकते हैं। उनका कहना है कि विभागों के बीच तालमेल की कमी की वजह से पूरी तरह तैयार पार्किंग बेकार पड़ी है। सड़क पर लगने वाले जाम की वजह से ग्राहक गाड़ी घुमाकर चले जाते हैं। सामने ठेला लगाने वाले विक्रेता ने कहा, जब लेन ब्लॉक होती है तो हमारा भी धंधा ठप हो जाता है।

दिल्ली में चाणक्यपुरी के प्राइवेट स्कूल को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के चाणक्यपुरी इलाके के एक प्राइवेट स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। स्कूल को ईमेल आया, जिसमें बिल्डिंग में बम होने की बात लिखी थी। आनन-फानन में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि जांच के बाद धमकी भरे ईमेल को झूठा पाया गया है। इससे पहले भी दिल्ली के स्कूलों को ई-मेल आए थे, जिनमें बम से उड़ाने की धमकियां दी गई थीं। लाल किला हादसे के बाद से सुरक्षा टीमें अलर्ट मोड पर हैं। बम निरोधक दस्तों ने स्कूलों का चप्पा-चप्पा छाना था। दोनों ही केसों में ये अफवाह साबित हुई थी।

अंकुर हायर सेकेंडरी स्कूल, दयानंद नगर में 'बाल अधिकार सप्ताह' का आयोजन

भोपाल। दयानंद नगर स्थित अंकुर हायर सेकेंडरी स्कूल में 14 नवंबर से 20 नवंबर तक बाल अधिकार सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। सप्ताह भर चलने वाले इस विशेष कार्यक्रम में प्रतिदिन बच्चों के अधिकारों पर आधारित विभिन्न थीम्स के अनुसार गतिविधियाँ और कार्यशालाएँ आयोजित की जा रही हैं।

इनमें सेफ एनवायरनमेंट, सेफ हेल्थकेयर, सेफ सेल्फ और सेफ एजुकेशन जैसी महत्वपूर्ण विषय-वस्तुएँ शामिल हैं। आज के कार्यक्रम की थीम सेफ फूड एंड सेफ वाटर रही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती

भाग्यश्री बोरसे ने विद्यार्थियों को सुरक्षित पानी और सुरक्षित भोजन के महत्व पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को फूड हाइजीन, सुरक्षित भंडारण, साफ-सफाई तथा स्वस्थ खान-पान की आदतों के बारे में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। कार्यक्रम में अभिभावकों के साथ चाइल्ड राइट्स ऑब्जर्वेटरी, स्ट्रू के कोऑर्डिनेटर एवं एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर श्री अनुराग त्रिपाठी की गरिमामय उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती विशाखा शर्मा द्वारा मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत करने से हुई। सप्ताह भर के इस आयोजन में कार्यशालाओं के साथ-साथ क्रिकेट मैच, खो-खो, रेस, ड्राइंग, क्विज़, वाद-विवाद प्रतियोगिता सहित कई सह-पाठ्यक्रमीय गतिविधियाँ भी आयोजित की जा रही हैं। यह विशेष सप्ताह 20 नवंबर को समापन समारोह के साथ संपन्न होगा।

दिल्ली की ठंड में गर्माएगी ग्लोबल जियो-पॉलिटिक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। दिसंबर में दिल्ली की सर्दी चरम पर होगी। ठिठुरन भरी ठंड के बीच ग्लोबल जियो-पॉलिटिक्स पूरी तरह गर्म रहेगी। क्योंकि दुनिया के दो सबसे बड़े नेता एक साथ नई दिल्ली में होंगे। दरअसल 23वीं भारत-रूस वार्षिक शिखर बैठक ऐसे वक्त हो रही है जब पश्चिमी देश, खासकर अमेरिका को लगता था कि वे भारत पर मॉस्को से दूरी बनाने का दबाव डाल कर कामयाब हो जाएंगे लेकिन इसके उलट भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पुतिन कंधे से कंधा मिलाकर खड़े नजर आ रहे हैं और दुनिया को साफ संदेश दे रहे हैं कि यह साझेदारी कम नहीं, बल्कि और मजबूत हो रही है। बता दें कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दिसंबर में भारत आने वाले हैं। उनकी इस यात्रा को लेकर अभी से तरह-तरह के कयास लगने शुरू हो गए हैं। यह भारत दौरा किसी साधारण कूटनीतिक मुलाकात से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है।

दिल्ली में दमघोंटू हवा से उखड़ रही बेजुबानों की सांस

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली-एनसीआर में बढ़ता वायु प्रदूषण इंसानों की ही नहीं बल्कि बेजुबानों की भी जिंदगी लील रहा है। प्रदूषण से पशु-पक्षी गंभीर रूप से बीमार पड़ रहे हैं। प्रदूषित हवा से इन बेजुबानों की सांसें उखड़ रही हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, हवा में मौजूद जहरीली गैसों की वजह से पक्षियों का श्वसन तंत्र प्रभावित हो रहा है। इससे उन्मुक्त गगन में परवाज भरने वाले पक्षियों की ऊंची उड़ान क्षमता में कमी आ रही है। यही नहीं, आंखों में जलन होने से उन्हें भोजन तलाशने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इससे पर्याप्त पोषण नहीं मिल रहा है। प्रदूषण से पक्षियों की दिनचर्या और उनकी मेटिंग (प्रजनन के लिए) पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि दीर्घकालिक असर से पक्षियों की प्रजनन क्षमता पर भी असर पड़ सकता है। यह पक्षियों की संख्या में कमी के तौर पर भी नजर आ सकता है। चिकित्सकों ने बताया कि पक्षी प्रदूषण से कोराइजा नामक बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। इससे पक्षियों की आंखों में संक्रमण हो रहा है। इसमें आंखें चिपक जाती हैं, जिससे वह दूर तक नहीं देख पाते। साथ ही, आंखों से स्राव (डिस्चार्ज) होता है। इससे पक्षियों की परेशानी बढ़ जाती है। प्रदूषण बढ़ने के बाद, पक्षियों के अस्पताल में काफी संख्या में पक्षियों को लोग ला रहे हैं। उनमें कई तरह की स्वास्थ्य परेशानी है। अरावली व नीला हौज जैव विविधता पार्क के साइंटिस्ट इंचार्ज डॉ. शाह हुसैन ने कहा कि प्रदूषण का असर इंसानों की तरह पक्षियों के फेफड़ों पर भी पड़ता है। पक्षियों के फेफड़े नाजुक होते हैं। इससे उन पर प्रदूषण का गंभीर असर होता है। इसका असर छोटे कीड़े व कीट-पतंगों पर भी पड़ रहा है। यही पक्षियों का भोजन होते हैं।

दिल्ली में 2 बच्चियों से दरिंदगी की घटनाएं

एक की हालत नाजुक, खून से थी लथपथ

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में 2 बच्चियों से दरिंदगी की घटनाएं सामने आई हैं। एक घटना महेंद्रा पार्क इलाके में 4 साल की बच्ची से हुई है। इसमें पुलिस ने दुष्कर्म एवं पोक्सो की धारा में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बच्ची की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना से आक्रोशित लोगों ने आरोपी पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। एक अलग वारदात में समयपुर बादली इलाके में 8 साल की बच्ची से दुष्कर्म की घटना हुई है।

महेंद्रा पार्क इलाके की वारदात की पीड़िता की मां कोठियों में भोजन पकाने का काम करती है। उसका पति फैक्टरी में काम करता है। पीड़िता की मां ने बताया कि वह सोमवार रात को घर में भोजन पका रही थी और उसकी चार साल की बेटी वहीं पर खेल रही थी।

इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला शनि घूमते हुए आया और बच्ची के साथ खेलने लगा। उसने रीमा से कहा कि वह बच्ची को चॉकलेट दिलाने ले जा रहा है। इसके बाद वह बच्ची को अपने साथ ले गया और बच्ची के साथ दरिंदगी की। इस घटना के बाद इलाके के लोगों में गुस्सा देखा जा रहा है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि वारदात के वक्त आरोपी शराब के नशे में धुत था। आरोपी इलाके में मजदूरी करता है। पुलिस जब उसे गिरफ्तार करने पहुंची तो वह नाले के किनारे पड़ा हुआ था। पुलिस ने उसके खून से सने कपड़े को जब्त कर जांच के लिए भेज दिया है।

हरियाणा-उप्र यमुना नदी में नाले की गंदगी घोल रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में यमुना नदी को प्रदूषित करने में योगदान पड़ोसी राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश और हरियाणा का भी है। दोनों जगह से बहने वाले नाले का पानी यमुना में मिलकर उसे दूषित कर रहा है। इसकी रोकथाम के लिए दिल्ली जल बोर्ड ने दोनों राज्यों को पत्र लिखा है। पत्र में यमुना नदी में सीवेज और औद्योगिक कचरे के बहाव को रोकने के लिए उत्पत्ति स्थल पर ही सुधारात्मक उपाय करने, जैसे कि सीवेज ट्रीटमेंट को बढ़ाने का आग्रह किया गया है। इस पत्र में हरियाणा से आ रहे प्रदूषण के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला गया है। पत्र में कहा गया है कि यह एक तथ्य है कि हरियाणा से दूषित जल छोड़ा जा रहा है। नजफगढ़ ड्रेन से कुल 462 एमजीडी (मिलियन गैलन प्रतिदिन) कचरे का बहाव होता है, जिसमें से 187 एमजीडी बहाव हरियाणा की नालियों से आता है।

मेरे अंग दान कर देना; टीचर्स की वजह से मेट्रो के सामने कूदने वाले बच्चे की आखिरी ख्वाहिश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में 16 साल के एक लड़के ने मेट्रो के आगे कूद कर जान दे दी है। पुलिस को उसके बैग से एक सुसाइड नोट मिला है जिसमें उसने स्कूल के टीचर्स पर मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया है। एक और झकझोरने वाली बात यह है कि किशोर ने अपनी आखिरी ख्वाहिश में परिवार वालों से कहा है कि उसके अंगों को उन्हें दान कर दिया जाए जिन्हें इनकी जरूरत है। घटना बुधवार दोपहर 2.34 बजे की है, जब बच्चा ड्रामा क्लब जाने के लिए निकला था। वह राजेंद्र प्लेस मेट्रो स्टेशन पहुंचा और मेट्रो के सामने कूद गया। उसे तुरंत बीएलके हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा। सुसाइड नोट में उसने अपनी पहचान लिखी थी और इसे पढ़ने वाले को एक नंबर पर संपर्क करने को कहा था। उसने लिखा कि स्कूल स्टाफ की लगातार डांट-फटकार की वजह से वह ऐसा कदम उठाने पर मजबूर हुआ है। बच्चे ने सुसाइड नोट में आग्रह किया है कि अन्य बच्चों की सुरक्षा के लिए उसके शिक्षकों और प्रधानाध्यापिका के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि उसकी तरह कोई और विद्यार्थी ऐसा न करे। उसने इसमें अपने माता-पिता और बड़े भाई से माफी मांगी और उनसे अपील की कि उसके अंगों को डोनेट कर दिया जाए। मृतक ने लिखा, सॉरी भैया, हर उस समय के लिए जब मैंने आपको परेशान किया।

लड़कियों से करा रहे थे तस्करी

100 करोड़ की ड्रग्स के साथ 4 अफ्रीकी तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पेशल सेल ने लड़कियों से दिल्ली समेत देश के अलग-अलग राज्यों में ड्रग्स तस्करी कराने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए अफ्रीकी मूल के चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में एक युवती भी शामिल है। पुलिस ने तस्करों के कब्जे से करीब 100 करोड़ रुपये कीमत की ड्रग्स बरामद की है। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है। स्पेशल सेल ने बताया कि उनकी टीम को देश के अलग-अलग राज्यों में मादक पदार्थों की तस्करी में अफ्रीकी मूल के लोगों की संलिप्तता की सूचना मिली थी। इसके आधार पर टीम ने धौला कुआं बस स्टैंड के पास जाल बिछाया और एक महिला आरोपी एजेनुएनयी एस्तेर ओसिता उर्फ एला को लाल रंग के ट्रॉली बैग के साथ धरदबोचा। बैग की तलाशी के दौरान प्लास्टिक की थैलियों में छिपाकर रखी गई कुल 17.146 किलोग्राम मेथामफेटामाइन और 440 ग्राम वजन की 700 नशीली गोलियां बरामद हुईं। इस पर पुलिस ने केस दर्ज कर एला को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान एला ने बताया कि वह दिल्ली में अफ्रीकी मूल के व्यक्तियों द्वारा चलाए जा रहे ड्रग तस्करी गिरोह की सदस्य थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, रेणु शर्मा द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर भोपाल, से मुद्रित तथा ई-3/23, अरेरा कॉलोनी, भोपाल (मप्र) से प्रकाशित। संपादक-आशीष गोस्वामी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) Email : narmadanewsttp@gmail.com, मोबाईल. 7697769136